www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 भारतीय संसद में वक्फ संशोधन विधेयक...
3 कान साफ करने के लिए अपनाएं घरेलू नुस्खे...
4 मार्केट यूनियन राजौंद ने मेन बाजार में स्पीड...

वर्ष: 9 | अंक: 160 | दिल्ली, शनिवार, 5 अप्रैल 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

2008 बम ब्लास्ट के सभी 4 आरोपी दोषी करार

जयपुर (एजेन्सी)। 2008 के जयपुर बम विस्फोट मामलों की सुनवाई कर रही विशेष अदालत ने शुक्रवार को सभी चार आरोपियों को दोषी करार दिया। बम विस्फोट मामलों की विशेष अदालत के न्यायाधीश रमेश कुमार जोशी ने फैसला सुनाते हुए आरोपियों को गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम, विस्फोटक पदार्थ (निषेध) अधिनियम और आईपीसी की धाराओं के तहत दोषी करार दिया। सजा की अवधि सोमवार को घोषित की जाएगी। जयपुर ब्लास्ट मामले में 17 साल बाद फैसला आया है। 13 मई 2008 को जयपुर शहर में 15 मिनट के अंदर सात जगहों पर नौ बम धमाके हुए थे। चार आरोपियों शाहबाज हुसैन, सरवर आजमी, मोहम्मद सैफ और सैफुर्रहमान पर लाइव बम मामले में फैसला सुनाया गया है। इनमें से दो आरोपी सैफ-उर-रहमान और मोहम्मद सैफ पहले से ही जयपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं, जबकि मोहम्मद सरवर आजमी और शाहबाज अहमद जमानत पर बाहर हैं।

माफिया मुक्त हुआ वक्फ, मुसलमानों को मिली नई आजादी: मुस्लिम राष्ट्रीय मंच

नई दिल्ली (एजेन्सी)। संसद के दोनों सदनों से वक्फ संशोधन विधेयक 2024- 2025 पारित होने के बाद देशभर में खुशी की लहर दौड़ गई है। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने इस विधेयक को एक ऐतिहासिक कदम बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू, JPC चेयरमैन जगदंबिका पाल और मंच के हजारों कार्यकताओं के प्रयासों को सलाम किया है। मंच के राष्ट्रीय संयोजक एवं राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी शाहिद सईद ने मुस्लिम समाज से अपील की है कि वे इस ऐतिहासिक क्षण को हर्ष और उल्लास से मनाएं। यह कानून किसी मजहब या पंथ के खिलाफ नहीं है, बल्कि पारदर्शिता, न्याय और विकास का प्रतीक है। यह यतीमों, विधवाओं, गरीबों और जरूरतमंदों को उनका अधिकार दिलाने वाला कानून है। मंच ने देशवासियों से अपील की है कि देश को तोड़ने, लड़ाने, भड़काने और बहकाने वाली विकृत मानसिकता वाले दलों और संगठनों से सचेत रहें।

500 करोड़ रु की लागत से सोनिया विहार पुस्ता पर बनेगा 6 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड रोड: प्रवेश साहिब सिंह

'सोनिया विहार में जाम से राहत दिलाएगा नया फ्लाईओवर'

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और यातायात की सुगमता के लिए PWD मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने रु500 करोड़ की लागत से सोनिया विहार पुस्ता पर 6 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड रोड के निर्माण की घोषणा की। यह एलिवेटेड रोड नानकसर गुरुद्वारा टी-पॉइंट से दिल्ली-यूपी बॉर्डर (ट्रोनिका सिटी) तक बनाया जाएगा।

कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा लंबे समय से सोनिया विहार क्षेत्र के लोगों की समस्याओं के समाधान की मांग कर रहे थे। इस क्षेत्र में यातायात की गंभीर समस्या को देखते हुए PWD ने फ्लाईओवर निर्माण का निर्णय लिया है, जिससे स्थानीय निवासियों को राहत मिलेगी।

मंत्री प्रवेश साहिब सिंह का बयान: मेरे साथी मंत्री कपिल मिश्रा इस सड़क के निर्माण के लिए लंबे समय से प्रयासरत थे। सोनिया विहार के लोगों को जाम की समस्या से राहत दिलाने के लिए

यह प्रोजेक्ट बहुत जरूरी था। हालांकि, क्षेत्र में बड़ी संख्या में पेड़ होने के कारण हमने अब एलिवेटेड फ्लाईओवर बनाने का निर्णय लिया है। कल हमने इस विषय पर मुख्यमंत्री जी से भी चर्चा की थी, और उन्होंने इस प्रोजेक्ट को स्वीकृति दे दी है। इस फ्लाईओवर से दिल्ली के इंफ्रास्ट्रक्चर को नई गति मिलेगी, यातायात की समस्या कम होगी और क्षेत्र के लोगों को राहत मिलेगी। हमारा संकल्प दिल्ली के विकास को नई ऊंचाइयों तक ले जाना है।

इस एलिवेटेड रोड के निर्माण से दिल्ली और यूपी के ट्रॉनिका सिटी के बीच यातायात सुगम होगा, जाम की समस्या दूर होगी और स्थानीय निवासियों को बेहतर सड़क सुविधा मिलेगी। PWD इस प्रोजेक्ट को जल्द से जल्द शुरू करने के लिए सभी आवश्यक प्रक्रियाएँ पूरी कर रहा है।

विश्वास नगर विधानसभा में सड़क सुधार और सौंदर्यीकरण को लेकर निरीक्षण। मंत्री प्रवेश वर्मा ने विश्वास नगर विधानसभा के कड़कड़ी मोड़ और बाल्को सोसाइटी का दौरा किया।

विधायक ओ. पी. शर्मा जी की मांग पर सड़क के दोनों ओर पड़े मलबे को हटाने और सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। साइट विज़िट के दौरान अतिक्रमण की समस्या भी देखी गई, जिसके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं।

मंत्री प्रवेश वर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी कार्य जल्द से जल्द पूरे किए जाएं, जिससे स्थानीय निवासियों को बेहतर सुविधाएँ मिल सकें।

एलिवेटेड रोड की प्रमुख विशेषताएँ

लंबाई: लगभग 5.5 से 6 किमी
खंभे: सड़क के दोनों ओर बनाए जाएंगे
अनुमानित लागत: रु500 करोड़
निर्माण कार्य: PWD, GNCTD द्वारा किया जाएगा
अनुमति: सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग, GNCTD द्वारा दी जाएगी

सीएम नायब सिंह सैनी ने हरियाणावासियों के स्वस्थ व उज्जवल भविष्य की प्रार्थना की

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को कालका स्थित श्री काली माता मंदिर में दर्शन कर प्रदेशवासियों के स्वस्थ व उज्जवल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी नवरात्रों के मौके पर कालका में श्री काली माता मंदिर में पूजा अर्चना के लिए पहुंचे थे। उन्होंने मंदिर में पूजा की और हवन-यज्ञ में आहुति डाली। इस अवसर पर कालका विधायिका शक्ति रानी शर्मा व पूर्व विधायिका लतिका शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

बिना दवा असाध्य रोगों का समाधान

आरोग्य कलश की अनोखी चिकित्सा पद्धति-मानसिक रोग से लेकर गठिया तक, अब संभव है निदान बिना सर्जरी और दवा के MHRS तकनीक से बिना दर्द और साइड इफेक्ट के रोगों से

संजना भारती संवाददाता
मनोज प्रजापति

नई दिल्ली। स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नई क्रांति लाने का दावा करने वाली अंतर्राष्ट्रीय कल्याणकारी संस्था 'आरोग्य कलश' ने बिना दवा और सर्जरी के रोगों के समाधान का तरीका विकसित किया है। संस्था के 'कबीर शोध संस्थान' द्वारा विकसित MHRS (Mid Head Root Solutions) तकनीक से मानसिक रोग, हृदय रोग, लकवा, गठिया, शुगर, माइग्रेन, थायराइड, गर्दन व कमर दर्द जैसी असाध्य बीमारियों का उपचार संभव बताया जा रहा है। इसी को लेकर दिल्ली के प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में आरोग्य क्लास के संस्थापक ज्ञानी दास मानिकपुरी के द्वारा कॉन्फ्रेंस की गई और बिना दवाओं के मरीज को कैसे स्वस्थ किया जा सकता है इसी के बारे में कई सारी जानकारीयां दी।

संस्थान के अनुसार, पैर की त्वचा की जांच-मात्र 10 मिनट में शरीर के रक्त संचार और बीमारियों का पता लगाने में मदद करती है। आधुनिक जांचों जैसे MRI, CT स्कैन और X-ray से इसकी पुष्टि भी की जा सकती है। विशेषज्ञों का दावा है कि यह तकनीक न केवल सटीक निदान करती है, बल्कि रोगों को जड़ से

खत्म करने में भी मददगार है।

संस्थान का मानना है कि इस अनोखी पद्धति से चिकित्सा क्षेत्र में नया बदलाव आएगा और लोग बिना दवा और सर्जरी के स्वस्थ जीवन जी सकेंगे।

आधुनिक अनुसंधान भारत सरकार में कॉपीराइट पंजीकृत एवं पेटेंट हो चुकी है जो शीघ्र ही राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी सेवा संचालन स्थापित एवं विस्तार की जाएगी।

शीघ्र ही 150 देश में संस्था का विस्तार हेतु प्रक्रिया जारी है विशेष तौर पर संस्था की सभी पहलुओं को ध्यान देते हुए टीमवर्क पर विशेष बल देते हुए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शीघ्र संस्था द्वारा विभिन्न पदों की नियुक्ति प्रक्रिया द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं संचालन हेतु चिकित्सा विशेषज्ञों की भर्ती व नियुक्ति होगी जिसे ग्रामीण शहरी अंचला में बिना दवा रोग मुक्त स्वास्थ्य हेतु पहल कर असाध्य रोगों को जड़ से समाप्त कर दिखाई आरोग्य हेतु उच्च गुणवत्ता युक्त हानि रहित चिकित्सा जो आपातकालीन परिस्थितियों में भी समर्थ होगी सांची देश के सुरक्षा बलों को भी विशेष प्रशिक्षण दी जावेगी भविष्य में अंतरिक्ष में भी नई चिकित्सा पद्धति स्वास्थ्य के क्षेत्र में वरदान स्वरुप कारगर होगी।

शीघ्र ही भारतवर्ष के सभी प्रदेशों में पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन की जाएगी जिससे प्रदेश स्तर पर चिकित्सा पद्धति की स्थापना व विस्तार होगी जो ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों तक स्वास्थ्य लाभ पहुंचाने में एक नई बुनियादी चिकित्सा पद्धति प्राचीन भारतीय चिकित्सा ज्ञान को वैज्ञानिक तर्क पर आधारित आम नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण कर भविष्य में होने वाली बीमारियों व असाध्य रोग की रोकथाम स्वास्थ्य लाभ के क्षेत्र में अद्भुत अनोखे रहस्यमय प्राकृतिक रूप से पंचतत्व से निर्मित मानव शरीर को सुंदर सुदृढ़ ऊजार्वान बनाने में कारगर होगी।

मुख्यमंत्री ने वैशाली में बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप का निरीक्षण किया

तेजी से निर्माण कार्य पूर्ण करने का दिया निर्देश

एसबी ब्यूरो प्रमुख/डॉ. संजय

हाजीपुर। मुख्यमंत्री, नीतीश कुमार ने वैशाली जिला के वैशालीगढ़ स्थित निमार्णाधीन बुद्ध सम्यक दर्शन-सह-स्मृति स्तूप का निरीक्षण किया और निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने पूरे परिसर के निर्माण एवं विकास कार्यों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने बुद्ध स्तूप के भू-तल एवं प्रथम तल का निरीक्षण कर वहां चल रहे निर्माण कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने ध्यान केन्द्र का भी निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान भवन निर्माण विभाग के सचिव,कुमार रवि ने मुख्यमंत्री को बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप के निर्माण कार्य की प्रगति की अद्यतन जानकारी देते हुए बताया कि इसका निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है और बचे हुए कार्य को एक माह में पूर्ण कर लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने योजना के मुख्य अवयवों- बुद्ध स्तूप की आकृति (पत्थर की संरचना), संग्रहालय ब्लॉक, पुस्तकालय एवं ध्यान केन्द्र, आगंतुक केंद्र, अतिथि गृह, प्रदर्श और परिदर्शक केंद्र के संबंध में विस्तृत जानकारी ली और स्थल निरीक्षण कर निर्माण कार्यों का बारिकी से अवलोकन किया और परिसर में बने तालाब तथा लगाए गए पेड़-पौधे

का जायजा लिया। उन्होंने मेकिंग ऑफ बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप की गैलरी का भी निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि हम यहां हमेशा आते रहे हैं और यहां के निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते रहे हैं। हमने बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप के निर्माण को लेकर जो निर्देश दिये थे, उसके अनुरूप कार्यों को जल्द-से-जल्द पूर्ण करें। परिसर का स्वरूप पर्यावरणीय दृष्टिकोण से बेहतर बनाएं ताकि आनेवाले पर्यटकों को इस जगह पर एक अलग अनुभूति हो। उन्होंने कहा कि आवागमन को भी बेहतर किया जा रहा है ताकि पर्यटक यहां आसानी से और कम समय में पहुंच सकें। यहां अधिक-से-अधिक संख्या में पर्यटकों के आने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इस अवसर पर भवन निर्माण मंत्री, जयंत राज, विधायक, सिद्धार्थ पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव, दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव, डॉ एस0 सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के सचिव, अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव सह भवन निर्माण विभाग के सचिव, कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी, गोपाल सिंह, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के सचिव, प्रणव कुमार, तिरहुत प्रमंडल के आयुक्त, एन० सर्वानन, तिरहुत प्रक्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक, चंदन कुमार कुशवाहा, वैशाली के जिलाधिकारी, यशपाल मीणा, वैशाली के पुलिस अधीक्षक, ललित मोहन शर्मा, बोधगया टेंपल मैनेजमेंट कमिटी की सचिव, महाश्वेता महारथी सहित अन्य अधिकारीगण एवं अभियंतागण उपस्थित थे।

शिलान्यास समारोह

श्रीराम मंदिर शिलान्यास समारोह में अपने मनोहारी भजन से विजय कपूर ने श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

एसबी संवाददाता

वाराणसी। प्राचीन श्रीराम मंदिर कश्मीरीगंज, खोजवाँ, वाराणसी में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी द्वारा राम मंदिर जीर्णोद्धार हेतु नींव रखी गई। मुख्यमंत्री का स्वागत श्रीमद जगददगुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामकमलाचार्य वेदान्ती जी महाराज ने किया।

इस अवसर पर भजन संध्या का कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमे डॉ. विजय कपूर द्वारा अनेकों भजन प्रस्तुत हुआ। जिसमें " जिसको नही हैं बोध" , " अमृत हैं हरि नाम जगत में", चैती - "जाईब देवी के दुअरिया हो रामा"। तुलसीदास जी द्वारा रचित " रघुवर तुमको मेरी लाज" आदि रचनाओं से श्रोता भाव विभोर हुए। इनके साथ वायलिन पर पं. सुखदेव मिश्र , तबला पर श्री सुमंत कुमार चौधरी, पैड पर शेखर

श्रीराम मंदिर शिलान्यास में भजन प्रस्तुत करते हुए डा विजय कपूर।

जी, कीबोर्ड पर रंजन दादा ने तथा सह गायन में सुश्री काजल तिवारी ने साथ दिया। मंच संचालन श्री कृष्ण कुमार तिवारी द्वारा किया गया।

नप के सामान्य बोर्ड की बैठक में सर्वसम्मति से बजट पारित

संजना भारती संवाददाता

अकबरनगर। नगर पंचायत अकबरनगर के सभागार कक्ष में शुक्रवार को वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट सामान्य बोर्ड की बैठक मे सर्वसम्मति से पारित हुआ।सामान्य बोर्ड के बजट सत्र के बैठक की अध्यक्षता नगर पंचायत अध्यक्ष किरण देवी ने किया। जिसमें नगर पंचायत के विकास के लिए विभिन्न मदों से लगभग 34 करोड़ का बजट पास हुआ।बजट मे जल जीवन हरियाली, सबके लिए आवास योजना, मुख्यमंत्री नाली गली एवं पेयजल पष्टम वित्त आयोग अनुदान, राज्य योजना अनुदान सहित डोर टू डोर कचरा प्रबंधन एवं अन्य मदों को ध्यान में रखते हुए बजट को बनाया गया है।बजट को सभी पार्षद के बीच रखा गया।जिसपर सभी पार्षद ने अपनी सहमति दिया। इस संबंध में नगर पंचायत अध्यक्ष किरण देवी ने बताया स्थाई सशक्त समिति के बाद सामान्य बोर्ड की बैठक मे वित्तीय वर्ष 25-26का बजट सर्वसम्मति से पारित हुआ। साथ ही अध्यक्ष ने बताया कि नगर पंचायत के चौमुखी विकास को देखते हुए सभी मदों को ध्यान में रखकर बजट को बनाया गया है यह बजट नगर पंचायत के विकास के लिए अहम योगदान देगी।वार्ड सात की पार्षद निशु प्रिया ने बताई कि बजट से विकास के लक्ष्य हासिल होता है।

नगरपंचायत अकबरनगर का बजट काफी सराहनीय है संपूर्ण नगरपंचायत के विकास की गति तेज होगी कई प्रकार की जन उपयोगी योजनाएँ पूर्ण होगी क्षेत्र के विकास के पैमाने मे वृद्धि होगी हम सभी लोग मिलकर स्वस्थ, सुंदर शिक्षित और सुरक्षित नगरपंचायत बनाने के संकल्प को पूरा करेंगे और विकास की लम्बी रेखा खीचेंगें। बैठक में कार्यपालक पदाधिकारी विकास कुमार, उपाध्यक्ष अनिल कुमार सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

जमुई में चैती दुर्गा पूजा और रामनवमी को लेकर किया गया फ्लैग मार्च

एसबी ब्यूरो प्रमुख/मृगांक शेखर सिंह

जमुई। जमुई के जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा और पुलिस अधीक्षक मदन कुमार आनंद के कुशल नेतृत्व में जमुई शहर में चैती दुर्गा पूजा और रामनवमी को लेकर शहर में अमन का माहौल कायम रखने के लिए जिला प्रशासन, पुलिस पदाधिकारियों तथा जवानों के द्वारा नगर थाना क्षेत्र के विभिन्न बाजारों एवं मोहल्लों में फ्लैग मार्च किया गया।

यह फ्लैग मार्च जमुई शहर स्थित श्रीकृष्ण सिंह स्टेडियम से निकलकर कचहरी रोड, महाराजगंज बाजार, थाना चौक, पुरानी बाजार काली मंदिर, नीम मोड, बछियार, खैरा मोड़, बोधवन तालाब, महिसौड़ी चौक, बाईपास रोड होते हुए इसका समापन किया गया। उन्होंने शहर का परिक्रमा कर लोगों को प्रशासन की सजगता का संदेश दिया। फ्लैग मार्च के जरिए पुलिस ने सक्रियता को दशार्या और भीड़-भाड़ वाले जगहों को ज्यादा तबज्जो दी। इस दरम्यान पुलिस की गाड़ी सायरन बजाते हुए लोगों को अपनी उपस्थिति का आभास कराया।

शहर और बाजार के लोगों ने अपने घर की छत, दरवाजे और सड़क पर खड़े होकर अचंभित करने वाले दृश्य का अवलोकन किया साथ ही प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के जत्थे का मान बढ़ाया।

जिलाधिकारी ने अमन के माहौल में चैती दुर्गा पूजा तथा रामनवमी पर्व को परंपरागत एवं वैदिक रीति-रिवाज के अनुकूल मनाए जाने का आग्रह किया। उन्होंने तल्ख तेवर अपनाते हुए कहा कि किसी भी तरह की अफवाह फैलाने वालों या माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट करने वालों को बक्सा नहीं जाएगा। सभी मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारियों को अफवाह और सोशल मीडिया पर नजर रखने को कहा गया है। उन्होंने इस फ्लैग मार्च के जरिए प्रशासनिक चौकसी और सक्रियता का लोगों को आभास कराया।

मौके पर एसडीएम, एएसपी, एसडीपीओ, डीएसपी मुख्यालय, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी समेत कई प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने भी फ्लैग मार्च में पूरे जज्बे, जोश और जुनून का प्रदर्शन किया।

'फार्मर रजिस्ट्री होने पर ही मिलेगा कृषि की विभिन्न योजनाओं का लाभ'

एसबी ब्यूरो प्रमुख/इंतजार हुसैन

बदायूँ। उप कृषि निदेशक ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद के किसानों के हित में राज्य सरकार ने फार्मर रजिस्ट्री की तिथि बढ़ाकर 30 अप्रैल 2025 की गई है। शासन की मंशा के अनुरूप पी0एम0 किसान सम्मान एवं अन्य कृषि योजनाओं का लाभ उन्हीं किसानों को मिलेगा, जिनके द्वारा फार्मर रजिस्ट्री करा ली गयी होगी, योजना के अन्तर्गत कृषि विभाग एवं राजस्व विभाग के कर्मचारी गॉव-गॉव शिविर लगाकर किसानों के फार्मर रजिस्ट्री बनाने का काम कर रहे है। फार्मर रजिस्ट्री होने से किसानों को पी0एम0 किसान सम्मान निधि की किस्त के साथ-साथ अन्य योजनाओं का लाभ सहजता से मिल सकेगा।

शासन के निर्देश पर जनपद के किसानों की फार्मर रजिस्ट्री तैयार करने के लिए काम दिनांक 25 नवम्बर 2024 से अनवृत रूप से चल रहा है। अभियान के अन्तर्गत सैफ मोड में कृषक इस योजना के लिए बनाये गये वेब पोर्टल तथा मोबाइल ऐप फार्मर रजिस्ट्री यू0पी0 के माध्यम से स्वयं रजिस्ट्रशन कर सकेंगे, इसके अतिरिक्त वह कॉमन सर्विस सेन्टर के माध्यम से रजिस्ट्रशन करा सकेंगे।

कृषि विभाग एवं राजस्व विभाग के कर्मचारी प्रत्येक ग्राम पंचायत में कैंप आयोजित कर रहे हैं। कैम्प के माध्यम से कृषकों का फार्मर रजिस्ट्री कार्य किया जा रहा है। उप कृषि निदेशक कार्यालय के अनुसार, भारत सरकार द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि पी0एम0 किसान योजना अन्तर्गत मिलने वाली किस्त के लिए सम्बन्धित कृषक का फार्मर रजिस्ट्री होना अनिवार्य है।

क्या है फार्मर रजिस्ट्री: फार्मर रजिस्ट्री अनतर्गत कृषक विवरण तैयार कर डिजिटल इफ्रांस्ट्रक्चर में संकलित किया जाएगा। इसके लिए कृषक के वकेट में उपलब्ध भूमि का सत्यापन आधार सीडिंग, कृषक की ई-के0वाई0सी0 की जाएगी और किसाना की सहमति प्राप्त की जाएगी।

पी0एम0 किसान योजना के अन्तर्गत किस्त प्राप्त करने में सुगमता होगी तो किसान क्रेडिट कार्ड और फसल बीमा का लाभ प्राप्त करने में आसानी होगी। इसके अलावा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद में कृषकों का पंजीकरण आनलाइन माध्यम से हो सकेगा। कृषकों को विभिन्न संस्थाओं वैज्ञानिकों इत्यादि से आवश्यक परामर्श समय से मिल सकेगा।

उप कृषि निदेशक बदायूँ द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद के हर किसान की फार्मर रजिस्ट्री होगी। किसान स्वयं भी मोबाइल एप फार्मर रजिस्ट्री यू0पी0 को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड करके कर सकते हैं। फार्मर रजिस्ट्री होने के बाद ही कृषि की विभिन्न योजनाओं का लाभ मिलेगा।

सम्पादकीय

संसद से वक्फ संशोधन बिल पास

देश के उच्च सदन राज्यसभा में वक्फ संशोधन बिल- 2025 पर गुरुवार, 3 अप्रैल को चर्चा शुरू हुई। सदन के अंदर सत्तारूढ़ गठबंधन और विपक्षी गठबंधन में शामिल राजनीतिक दलों के सांसदों ने 12 घंटे से भी अधिक समय तक इस बिल पर जोरदार चर्चा की। बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन में शामिल तमाम राजनीतिक दलों ने इस बिल को समय की मांग बताते हुए पारित करने में विपक्षी दलों से सहयोग मांगा। लेकिन विपक्षी दलों ने इस बिल को असंवैधानिक बताते हुए इसका पुरजोर विरोध किया। आधी रात के बाद यानी शुक्रवार, 4 अप्रैल को देर रात 2 बजे के बाद सदन में इस पर वोटिंग शुरू हुई। राज्यसभा ने देर रात 2:32 बजे वक्फ संशोधन बिल- 2025 को पारित कर दिया। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा वक्फ संपत्तियों के प्रशासन और प्रबंधन में सुधार के उद्देश्य से लाए गए बिल के पक्ष में राज्यसभा में 128 सांसदों ने वोट किया,जबकि 95 सांसदों ने इसके खिलाफ अपना मत दिया। राज्यसभा में इस बिल के समर्थन में 128 सांसदों का समर्थन हासिल करना बीजेपी के रणनीतिकारों के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा सकती है। बिल के खिलाफ देशभर में बनाए गए माहौल और विपक्षी दलों की एकजुटता के बावजूद बीजेपी इस बिल पर एनडीए गठबंधन के इतर जाकर अन्य विपक्षी सांसदों का समर्थन हासिल करने में भी कामयाब रही। राज्यसभा से पारित होने से एक दिन पहले गुरुवार, 3 अप्रैल को आधी रात के बाद लोकसभा ने भी इस बिल को पारित कर दिया था। लोकसभा में 288 सांसदों ने मोदी सरकार द्वारा लाए गए इस बिल का समर्थन किया था जबकि 232 सांसदों ने बिल के खिलाफ मतदान किया था। वक्फ संशोधन बिल- 2025 अब कानून बनने से महज एक कदम दूर रह गया है। संवैधानिक तौर पर, संसद के दोनों सदनों से पारित होने के बाद इस बिल को अब मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिलने के बाद वक्फ संशोधन बिल- 2025 औपचारिक रूप से कानून के तौर पर लागू हो जाएगा। हालांकि, यह भी एक सच्चाई है कि दोनों सदनों से पारित हो जाने और राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बावजूद इस बिल को लेकर जारी विवाद अभी थमने वाला नहीं है। दोनों सदनों में चर्चा के दौरान, बिल पर सरकार और विपक्ष के बीच जोरदार टकराव देखने को मिला। सरकार ने इस बिल को समय की मांग और मुस्लिमों के लिए फायदेमंद बताते हुए कहा कि पारदर्शिता और सुशासन के लिए इसे लागू करना बहुत जरूरी है। वहीं विपक्षी दलों ने इसे मुसलमानों के धार्मिक अधिकारों में हस्तक्षेप करार देते हुए इसे अल्पसंख्यक विरोधी विधेयक तक बता डाला। सदन में सरकार से हार जाने के बाद अब बिल के विरोधी सड़क पर उतर कर लड़ाई लड़ने की बात कहते नजर आ रहे हैं। मुस्लिम संगठनों ने इस बिल के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन चलाने का ऐलान पहले ही कर दिया है।अल्पसंख्यक वोटों की राजनीति करने वाले कई राजनीतिक दल भी इस आंदोलन का समर्थन कर, इसे बड़ा बनाने की कोशिश करेंगे। वहीं विपक्षी सांसदों सहित कई संगठन इस बिल को संविधान विरोधी बताते हुए अदालत जाने की भी तैयारी में भी जुट गए हैं। शरद पवार की पार्टी की राज्यसभा सांसद फौजिया खान ने बिल के पारित होने के बाद कहा कि इसका विरोध जारी रहेगा, वक्फ बोर्ड एक धार्मिक संस्था है, यह असंवैधानिक बिल है और इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जाएगी। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि सुप्रीम कोर्ट इस कानून को रद्द कर देगा। वहीं डीएमके सुप्रीमो और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इस बिल को पहले ही सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की घोषणा कर रखी है। मुस्लिम वोटरों पर नजरें गड़ाए बैठे अन्य विपक्षी राजनीतिक दल भी इस अभियान का हिस्सा बन सकते हैं। इसलिए यह तय मान कर चलिए कि संसद के दोनों सदनों से बहुमत के आधार पर पास हो जाने के बावजूद भी, इस बिल पर जारी विवाद अभी थमने वाला नहीं है।

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

भारतीय संसद में वक्फ संशोधन विधेयक 2025 के पारित होने के सियासी मायने को ऐसे समझिए

राष्ट्रहित में और राष्ट्रवादी मुद्दों पर भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने जो ताजातरीन अपनी सार्थकता सिद्ध कर दी है, वह उसके और अधिक मजबूत होने का ताजा सबूत है। क्योंकि वक्फ संशोधन विधेयक 2025 पर जदयू, टीडीपी, लोजपा आर और राष्ट्रीय लोकदल का समर्थन पाना एक युगान्तकारी घटना है

-कमलेश पांडेय

भारतीय संसद के लोकसभा और राज्यसभा में दो दिवसीय उन्मुक्त चर्चा के बाद वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 का पारित होना एक ऐसी महत्वपूर्ण राजनीतिक घटना है, जिसके दूरगामी सियासी परिणामों से इंकार नहीं किया जा सकता है। देखा जाए तो इसके कई राजनीतिक मायने निकलकर सामने आ रहे हैं, जिससे भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (अब इंडिया गठबंधन) के बीच आम चुनाव 2029 में सीधी लड़ाई होगी।

राजनीतिक मामलों के जानकार बताते हैं कि वक्फ सम्बन्धी नए कानून से एक ओर जहां पसमांदा यानी गरीब व कमजोर वर्ग के मुसलमानों को काफी फायदा मिलेगा, जिससे इंडिया गठबंधन के अल्पसंख्यक मुस्लिम वोट बैंक में बिखराव स्वाभाविक है, वहीं दूसरी ओर वक्फ बोर्ड में व्याप्त वैधानिक अराजकता को नए संशोधन कानून द्वारा समाप्त किये जाने से हिंदुओं में यह आश्वस्ति भाव पनपेगी कि अब उनकी संपत्ति वक्फ बोर्ड के दांवपेचों से पूरी तरह से महफूज रहेगी। इससे राजग को मजबूती मिलना स्वाभाविक है।

वहीं, 2029 के आम चुनाव से पूर्व होने वाले विभिन्न विधानसभा चुनावों से यह स्पष्ट हो जाएगा कि राजग (एनडीए) के मुकाबले संप्रग (यूपीए) टिका रह पाएगा कि नहीं, क्योंकि 2025 में बिहार विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जहां पर एनडीए और यूपीए (अब इंडिया गठबंधन) के बीच सीधा मुकाबला है। हिंदी पट्टी में भाजपा व उसके सहयोगियों के निरंतर मजबूत होते जाने की असली वजह कांग्रेस व उसके सहयोगियों की मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति है, जिससे हिन्दू जनमानस आहत होता आया है। वहीं, जातिवाद व क्षेत्रवाद की आड़ में हिंदुओं को कमजोर रखने की जो इनकी साजिश है, उसे भी लोग अब समझने लगे हैं।

यही वजह है कि बिहार समेत पूरे देश में जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सामूहिक जनहितैषी फैसलों से उनकी लोकप्रियता बढ़ी है, वहीं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद व पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की मुस्लिमपरस्ती, जूठे जातीय प्रेम और अदूरदर्शिता भरे सियासी फैसलों से इनकी छवि धूमिल हुई है। बिहार के राजनीतिक घटनाक्रम और उसपर मिले जनादेश इसी बात की तो चुगली करते हैं। मजेदार बात तो यह है कि वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 की आड़ में कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन के द्वारा अल्पसंख्यकों को भड़काने की जो योजना बनाई गई थी, उन्मुक्त संसदीय बहस से उसपर पानी फिर गया है। इस बहस के बाद पसमांदा यानी गरीब मुसलमान जहां एनडीए के पक्ष में आ गए हैं, वहीं पाकिस्तान, बंगलादेश, अफगानिस्तान व अरब देशों की भाषा बोलने वाले अमीर मुसलमान अब अपनी ही कौम में अलग-थलग पड़ जाएंगे। क्योंकि मोदी सरकार की सबका साथ, सबका विकास वाली रणनीति से सबसे ज्यादा फायदा हिन्दू व मुस्लिम समुदाय के गरीबों को ही मिला है, जो अब एनडीए के मजबूत वोट बैंक बन चुके हैं। वहीं, राम मंदिर निर्माण, जम्मू-कश्मीर से धारा 370 की समाप्ति और तीन तलाक जैसे कानूनों के उन्मूलन से अमीर मुसलमान ही भड़क रहे हैं और गरीब मुसलमानों को धर्म के नाम पर भड़का रहे हैं, जिसे गरीब मुसलमान अब समझने लगे हैं। इसलिए कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन के मुस्लिम वोट बैंक का दरकना अब तय हो गया है, जिसका असर आपको बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से ही दिखने लगेगा। अभी जदयू के मुस्लिम नेताओं में नीतीश कुमार के ताजा फैसले से जो रोष है, वह भी जल्द ही समाप्त हो जाएगा। क्योंकि भाजपा जो भी मुस्लिम सम्बन्धी फैसले ले रही है, वह संघ समर्थित राष्ट्रीय मुस्लिम मंच की हरी झंडी के बाद ही, जो पसमांदा मुसलमानों में गहरी पैठ रखती है। मोदी ईदी उपहार अबतक का सबसे बड़ा हृदय परिवर्तन अभियान समझा गया।

वहीं, 2026 में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव और 2027 में उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इन दोनों महत्वपूर्ण राज्य विधानसभा चुनावों के समय अन्य दक्षिण भारतीय राज्यों में भी चुनाव होंगे, जहां दोनों गठबंधनों की कड़ी परीक्षा होगी। इसके बाद वर्ष 2028 में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान जैसे महत्वपूर्ण राज्यों के अलावा पूर्वोत्तर राज्यों में भी विधान सभा चुनाव होंगे, जो यह स्पष्ट कर देंगे कि अल्पसंख्यक एनडीए के साथ में हैं या उसके विरोध में इंडिया गठबंधन के साथ। क्योंकि इंडिया गठबंधन की आपसी सिरफुटौव्वल ही इसकी सबसे बड़ी बाधा थी, है और रहेगी। यह वजह है कि पूरे देश में पिछले तीन संसदीय आमचुनावों से जहां सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन निरंतर मजबूत होता जा रहा है और एक के बाद दूसरे राज्य में भी चुनाव जीतते जा रहा है, वहीं इंडिया गठबंधन की इंजन पार्टी कांग्रेस को आम चुनाव 2024 में थोड़ी सी सियासी ऑक्सीजन क्या मिल गई, वह विभिन्न राज्यों में अपने गठबंधन सहयोगियों को ही कुचलने लगी। यदि वक्फ संशोधन विधेयक 2025 मुसलमानों से जुड़ा मामला नहीं होता तो इंडिया गठबंधन की ताजा एकजुटता भी दिखाई नहीं पड़ती।

वहीं, राष्ट्रहित में और राष्ट्रवादी मुद्दों पर भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने जो ताजातरीन अपनी सार्थकता सिद्ध कर दी है, वह उसके और अधिक मजबूत होने का ताजा सबूत है। क्योंकि वक्फ संशोधन विधेयक 2025 पर जदयू, टीडीपी, लोजपा आर और राष्ट्रीय लोकदल का समर्थन पाना एक युगान्तकारी घटना है। इनके नेताओं ने संसद में विधेयक के समर्थन में जो शानदार दलीलें दी हैं, उससे पसमांदा मुसलमानों में भी भाजपा के प्रति नया प्यार उमड़ेगा, जो समकालीन राष्ट्रीय जरूरत भी है। अब यह साफ हो चुका है कि राष्ट्रवादी और जनवादी कानून बनाने में एनडीए का कोई सानी नहीं है। यही गठबंधन कांग्रेस कालीन और जनता पार्टी, जनता दल और संयुक्त मोर्चा कालीन सियासी पापों को प्रक्षालित करने का माद्दा रखता है। एनडीए ने जिस तरह से अल्पसंख्यक तुष्टीकरण की राजनीति को अप्रासंगिक बना दिया है और हिंदुओं में जातीय विभाजन की गति पर ब्रेक लगाई है, उस राष्ट्रहित में उसका बड़ा योगदान है। भाजपा की इस बात के लिए तारीफ की जानी चाहिए कि अल्पमत में होने के बावजूद उसने अपने कोर सियासी एजेंडे पर अपने सहयोगियों का विश्वास हासिल करके एक नया राजनीतिक कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। गौरतलब है कि राज्यसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 पर चर्चा का जवाब देते हुए अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजीजू ने दो टूक कहा कि "वक्फ बोर्ड एक वैधानिक निकाय है और इसे धर्मनिरपेक्ष होना चाहिए। फिर भी हमने इसमें गैर-मुस्लिमों की संख्या सीमित कर दी है। वक्फ विधेयक से मुसलमानों को हम नहीं डरा रहे बल्कि विपक्षी पार्टियां डरा रही हैं।" रिजीजू ने साफ कहा कि वक्फ बिल मुस्लिमों के अधिकार नहीं छीनेगा। यही वजह है कि लोकसभा के बाद राज्यसभा ने भी इसे मंजूरी दी। बिल के पक्ष में 128 और विपक्ष में 95 वोट पड़े, जिससे इंडिया गठबंधन के अरमानों पर पानी फिर गया। क्योंकि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी के बाद जल्द ही यह विधेयक कानून का रूप ले लेगा। शायद यही वजह है कि लोकसभा में विधेयक पारित होने के बाद राज्यसभा में विपक्ष का हौसला पस्त दिखा। वैसे इस विधेयक पर विपक्ष की ओर से कई संशोधन पेश किए गए, जिसे सदन ने खारिज कर दिया।

दरअसल, सदन में विपक्ष पर निशाना साधते हुए रिजिजू ने दो टूक लहजे में पूछा कि मुसलमानों में यदि गरीबी ज्यादा है, तो उन्हें गरीब किसने बनाया? आपने बनाया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो सबका साथ, सबका विकास की बात की है, वही तो संविधान की भावना है। वक्फ बोर्ड असंवैधानिक नहीं है। यह ठीक है कि राज्यसभा में विधेयक को लेकर भारी हंगामा और विपक्ष के कड़े विरोध की उम्मीद थी, लेकिन लोकसभा में विधेयक पारित होने और सरकार की ओर से विधेयक को मुस्लिमों के हित में होने को लेकर जिस तरह के तर्क दिए गए, उससे शायद विपक्ष के हौसले थोड़े पस्त थे। यही वजह थी कि सदन में विधेयक पेश होने के दौरान विपक्ष ने किसी तरह की टोकाटाकी या शोरशराबे से भी परहेज किया। अलबत्ता विधेयक पर चर्चा के दौरान विपक्ष की अधिकांश सीटें खाली दिखीं।

इतना ही नहीं, विधेयक पर चर्चा के दौरान विपक्ष की अधिकांश सीटें खाली दिखीं, जबकि सत्ता पक्ष की सीटें खचाखच भरी हुई थीं। इस दौरान लोकसभा की तरह राज्यसभा में भी सरकार की ओर से गृह मंत्री अमित शाह मोर्चा संभाले दिखे। चर्चा के दौरान उन्होंने कई बार खड़े होकर न सिर्फ हस्तक्षेप किया, बल्कि विपक्ष को आईना भी दिखाया। ट्रिब्यूनल पर बोल रहे कांग्रेस सांसद नासिर हुसैन को उन्होंने बीच में टोका और कहा कि अब तक ट्रिब्यूनल के फैसले को चुनौती नहीं दी जा सकती थी। नए विधेयक में हम इसे लेकर आए हैं। वहीं, भाजपा अध्यक्ष और सदन के नेता जेपी नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में मुस्लिम महिलाओं को दोयम दर्जे की नागरिक बना दिया था। मिस्त्र, सूडान, बांग्लादेश और सीरिया जैसे मुस्लिम देशों में कई साल पहले तत्काल तीन तलाक पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, लेकिन कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार ने एक दशक तक सत्ता में रहने के दौरान मुस्लिम महिलाओं के लिए कुछ नहीं किया। इससे पहले राज्यसभा में विधेयक पेश करते हुए रिजीजू ने विपक्ष के उन आरोपों को खारिज कर दिया कि मुस्लिमों के अधिकार छीने जा रहे हैं। ततपश्चात, रिजिजू ने यह भी स्पष्ट किया कि इस कानून का उद्देश्य मुस्लिम महिलाओं को सशक्त बनाना और सभी मुस्लिम समुदाय के अधिकारों की रक्षा करना है। यह विधेयक मुस्लिमों के खिलाफ बिल्कुल नहीं है, बल्कि उनका उत्थान करने वाला है। रिजीजू ने जहां विधेयक की खूबियां गिनाईं, वहीं विपक्ष की ओर से फैलाए जा रहे दुष्प्रचार का भी जवाब दिया। उन्होंने साफ साफ कहा कि यह विधेयक गरीब व पिछड़े मुस्लिमों और उनके परिवारों के विकास का रास्ता खोलने वाला है। इसलिए इसका नाम उम्मीद रखा गया है। उन्होंने उम्मीद (यूनीफाइड वक्फ मैनेजमेंट इम्पावरमेंट, इफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट) का पूरा नाम भी पढ़कर बताया। उन्होंने यहां तक कहा कि वैसे भी जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश को विकसित बनाने की बात करते हैं, तो उससे मुस्लिम अलग नहीं हैं।

निष्कर्षतः रिजीजू ने वक्फ बोर्डों पर मनमाने व्यवहार का आरोप लगाया और कहा कि दिल्ली के भीतर मौजूद शहरी विकास मंत्रालय व दिल्ली विकास प्राधिकरण की 123 संपत्तियों पर वक्फ अपना दावा कर रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि कल वक्फ संसद भवन पर भी दावा पेश कर दे। उन्होंने केरल और तमिलनाडु के कुछ और उदाहरण भी गिनाए। इससे साफ है कि भाजपा नीत एनडीए इस मुद्दे पर व्यापक तैयारी करके सदन में पहुंचा था, लेकिन गरीब मुसलमानों के बीच कोई गलत संदेश नहीं जाए, इसलिए लोकसभा में 'कुत्ते मानिंद भौंक' रहे विपक्ष ने राज्यसभा में अपनी दुम दबाकर निकल भागने में ही अपनी भलाई समझी।

वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भारत कोई धर्मशाला नहीं, बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ ऐतिहासिक कदम

विधेयक पर बहस के दौरान घुसपैठ व शरणार्थी शब्द को स्पष्ट किया गया क्योंकि विपक्षी दलों के सांसद तुष्टिकरण की विकृत राजनीति के कारण इन दोनों शब्दों का घालमेल कर रहे थे। ये विपक्षी सांसद इस विधयेक को वसुधैव कुटुंबकम की भवना से परे बताकर भ्रम व अराजकता की राजनीति करने का प्रयास कर रहे थे किंतु सरकार ने अपने तर्कों से विपक्ष को बेनकाब कर दिया जिसके परिणामस्वरूप वे राज्यसभा में हंगामा करते हुए सदन से बाहर चले गये

-मृत्युंजय दीक्षित

संसद के बजट सत्र- 2025 में बजट के अतिरिक्त भी कई ऐतिहासिक विधेयक पारित हुए हें जिनमें से एक है आब्रजन और विदेशियों विषयक विधेयक- 2025। यह विधेयक भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में अग्रणी भूमिका निभाने वाला तो है ही साथ ही भारत की आंतरिक व वाह्य सुरक्षा तंत्र और आर्थिक तंत्र को भी मजबूत बनाने वाला भी है। जब यह विधेयक अधिसूचित होकर पूरे भारत में लागू हो जायेगा तब बांग्लादेशी व रोहिंग्याओं की अवैध घुसपैठ सहित अनेक प्रकार के अपराधों पर भी लगाम लग सकेगी।

इस विधेयक के कानून बन जाने के बाद कोई भी विदेशी नागरिक पहले की तरह भारत में घुस कर, भारत के किसी भी हिस्से में जाकर निवास करते हुए भारत विरोधी गतिविधियों में संलिप्त नहीं हो पाएगा। अब सीमा पार करने वाले हर व्यक्ति का पूरा डाटा एकत्र किया जायेगा। अभी भारत आने वाले विदेशी नागरिकों का कोई डाटा उपलब्ध नहीं है। यह विधेयक भारत की एकता, अखंडता तथा सुरक्षा के लिए अतयंत महत्वपूर्ण है। इस बिल के लागू हो जाने के बाद अवैध रोहिंग्या/बांग्लादेशी घुसपैठ पर रोकथाम ही नहीं लगेगी अपितु ऐसे अराजक तत्व जो समाज में घुल मिलकर छोटे मोटे अपराधों में संलिप्त हो रहे हैं तथा समाज का वातावरण प्रदूषित करते हुए लवजिहाद व धर्मान्तरण जैसी गतिविधियों में संलिप्त हो जाते हैं उनसे भी निपटा जा सकेगा।

इस विधेयक पर संसद के दोनों सदनों में चर्चा के दौरान स्पष्ट हुआ कि भारत में अवैध घुसपैठ की समस्या कितना विकराल रूप ले चुकी है। भारत के सभी मेट्रो शहर अवैध अराजक तत्वों के निशाने पर हैं। भारत के अधिकांश सीमावर्ती क्षेत्रों तथा समस्त पूर्वी राज्यों जिनमें असम और पश्चिम बंगाल प्रमुख हैं में यह समस्या नासूर बन चुकी है। पश्चिम बंगाल के तीन सीमावर्ती जिलों की डेमेग्राफी अवैध घुसपैठ के कारण बदल चुकी है। गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने जब सदन में बताया कि बांग्लादेशी घुसपैठ की सबसे अधिक समस्या कांग्रेस शासित राज्यों कर्नाटक, झारखंड, तेलंगना तथा तृणमूल कांग्रेस शासित राज्य पश्चिम बंगाल में है क्योंकि यहां की राज्य सरकारें सहयोग नहीं कर रही हैं तब विपक्षी दलो ने हंगामा करते हुए सदन का बहिष्कार कर दिया। गृहराज्य मंत्री ने अवगत कराया कि बंगाल सरकार सीमा पर बाड़ नहीं लगाने दे रही है साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सीमा पर टीएमसी के कार्यकर्ता ही बीएसएफ के कार्यों में बाधा डालने का काम कर रहे हैं जिसके कारण बांग्लादेशी घुसपैठ पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। लोकसभा में बहस के दौरान ही गृहमंत्री अमित शाह ने स्पष्ट कर दिया कि भारत कोई ह्लधर्मशालाह्व नहीं हैं।

विधेयक पर बहस के दौरान घुसपैठ व शरणार्थी शब्द को स्पष्ट किया गया क्योंकि विपक्षी दलों के सांसद तुष्टिकरण की विकृत राजनीति के कारण इन दोनों शब्दों का घालमेल कर रहे थे। ये विपक्षी सांसद इस विधयेक को वसुधैव कुटुंबकम की भवना से परे बताकर भ्रम व अराजकता की राजनीति करने का प्रयास कर रहे थे किंतु सरकार ने अपने तर्कों से विपक्ष को बेनकाब कर दिया जिसके परिणामस्वरूप वे राज्यसभा में हंगामा करते हुए सदन से बाहर चले गये। इस नये कानून में विदेशी अधिनियम 1946, पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधिनियम 1920 तथा विदेशियों का पंजीकरण अधिनियम 1939 और आब्रजन (वाहक दायित्व) अधिनियम 2000 को निरस्त करते हुए एक नया व्यापक कानून बनाने की आवयकता की पहचान करते हुए नया आब्रजन और विदेशी विधेयक 2025 लाया गया है। नये कानून का एक उद्देश्य यह भी है कि कानूनों की बहुलता और अतिव्यापन से बचा जाये तथा विदेशियों से संबंधित मामलों को विनियमित किया जाए, जिसमें वीजा की आवश्यकता, पंजीकरण और अन्य यात्रा संबंधी दस्तावेज (पासपोर्ट) आदि शामिल है। इस नये कानून के माध्यम से भारत में प्रवेश करने और बाहर जाने वाले सभी लोगों के लिए सभी प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित किया जा सकेगा।

नये कानून के अनुसार किसी भी विदेशी को बिना वैध पासपोर्ट या दस्तावेजों के भारत आने पर 7 साल की जेल और 10 लाख रुपये का जुमार्ना देना होगा। गलत जानकारी देने या दस्तावेजों में गड़बड़ी करने पर 3 साल की जेल और 3 लाख रुपये जुमार्ने का प्रावधान किया गया है। भारत में बिना वैध पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेजों के माध्यम से प्रवेश करने पर तुरंत हिरासत में लिया जायेगा। अब इस विधेयक के नये नियमों के अनुरूप अगर कोई मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है तो अधिक कड़ी कार्यवाही की जायेगी। यह विधेयक केंद्र सरकार को उन स्थानों का नियंत्रण करने का अधिकार भी देता है जहां विदेशियो काआना जाना लगा रहता है। इसके तहत मालिक को परिसर को बंद करने, निर्दिष्ट शर्तों के साथ इसके उपयोग की अनुमति देने या सभी या निर्दिष्ट वर्ग के विदेशियों को प्रवेश देने से मना करने का अधिकार का दिया गया है।

निरस्त किये गए कानून की कमियों का लाभ उठाकर ही बड़ी संख्या में विदेशी नागरिक भारत आ रहे थे क्योंकि उस कानून में उनकी जांच करने तथा व्यापक पूछताछ की कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं थी। इसी कारण से आज लाखों की संख्या में अवैध नागरिक भारत में रह रहे हैं और अब वह राष्ट्रीय समाजिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन चुके हैं।

गृहमंत्री अमित शाह ने सदन में अपने भाषण के दौरान कहा कि हम नियम बनाकर अवैध घुसपैठ को रोक रहे हैं। हमारी सीमा पर कुछ संवदेनशील स्थान हैं, सेना के अड्डे हैं, उनको दुनियाभर के लिए खुला नहीं छोड़ सकते। पहले भी घुसपैठियो को रोका जा सकता था किंतु कोई नियम नहीं था अतः हमने नियम बनाने का साहस किया है। इस नये कानून से भारत आने वाले विदेशी नागरिकों की जानकारी पुख्ता होगी । सुरक्षा की दृष्टि से ड्रग्स कार्टल, घुसपैठियों की कार्टल, हवाला व्यापारियों को समाप्त करने की व्यवस्था इस विधेयक में की गई है।

गृहमंत्री अमित शाह ने सदन को बताया कि सबसे अधिक बांग्लादेशी व रोहिंग्याओं की घुसपैठ बंगाल से हो रही है। अब तक जितने घुसपैठिये पकड़े गये हैं, उनके आधार कार्ड बंगाल के 24 परगना क्षेत्र के है। तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता ही इन लोगों के अवैध कागज बनवा रहे हैं। नये कानून में अवैध कागज बनवाने वाले भी सजा के दायरे में आ गये हैं। नया कानून 36 धाराओं में निहित है। सभी को कानूनी रूप दिया गया है। सदन में गृहमंत्री ने स्पष्ट कर दिया है कि अब जो भारत में केवल भारत के हित के लिए आयेगा वहीं यहां पर रह सकेगा। अब भारत धर्मशाला नही है। सरकार उन लोगों का स्वागत करने के लिए तैयार है जो पर्यटन, शिक्षा, स्वास्थ्य, सेवा या व्यापार के लिए भारत आना चाहते हैं सरकार केवल उन लोगों को भारत आने से रोकेगी जिनके इरादे गलत हैं और जो हमारे लिए खतरा पैदा करेंगे उनसे गंभीरता से निपटा जायेगा।

इस कानून के माध्यम से भारत में गैरकानूनी तरीके से घुसना और यहां बसना मुश्किल हो जायेगा। रोहिंग्या/ बांग्लादेशी घुसपैठ अब चुनाव में भी एक बड़ा मुददा बन गई है। दिल्ली में तो आम आदमी पार्टी कई विधायक बांग्लादेशी व रोहिंग्याओं का फर्जी पासपोर्ट, आधार कार्ड व राशन कार्ड आदि बनवा रहे थे जिनकी जांच चल रही है। केंद्र की सरकार को पूर्ण विश्वास है कि नक्सलवाद, आतंकवाद की तरह आने वाले समय में रोहिंग्या/ बांग्लादेशी घुसपैठ का भी समाधान हो जायेगा और भारत तीव्रता के साथ विकास के पथपर अग्रसर हो सकेगा।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार

ट्रंप की धमकी को पुतिन ने धुंआ-धुंआ कर दिया, ताबड़तोड़ ड्रोन अटैक से कांप गया यूक्रेन

(एजेन्सी)।

पूर्वी यूक्रेन के शहर खार्किव में रूसी ड्रोन हमलों में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए। रूस और यूक्रेन ने हवाई हमले तेज कर दिए हैं, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तीन साल से ज्यादा समय से चल रही महंगी लड़ाई के बाद युद्धविराम के लिए उन पर दबाव डाल रहे हैं। यूक्रेन की राज्य आपातकालीन सेवा ने टेलीग्राम पर बताया कि गुरुवार देर रात खार्किव में आवासीय और कार्यालय भवनों को निशाना बनाकर हमला किया गया, जिससे कई जगहों पर आग लग गई। 3 अप्रैल को रूस द्वारा खार्किव पर ड्रोन हमले शुरू करने के बाद एक रिहायशी इलाके में कई जगहों पर आग भड़कती हुई दिखाई दे रही है। स्थानीय आपातकालीन सेवाओं द्वारा जारी किए गए वीडियो में दमकलकर्मियों को जलती हुई कारों और संरचनाओं को बुझाते हुए और नोवोबावर्स्की जिले में निवासियों को निकालने में मदद करते हुए दिखाया गया है। शहर के मेयर ने कहा कि कम से कम चार लोग मारे गए और 35 अन्य घायल हो गए।

सेंसेक्स में गिरावट जारी, निफ्टी 23,104 पर

(एजेन्सी)।

भारतीय शेयर बाजारों में शुक्रवार को गिरावट जारी रही, जबकि एशियाई बाजार अभी भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा लगाए गए पारस्परिक टैरिफ के प्रभाव से जूझ रहे हैं। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सुबह के कारोबार में 591.05 अंक या 0.77 प्रतिशत गिरकर 75,704.31 अंक पर आ गया। एनएसई निफ्टी 202.55 अंक या 0.87 प्रतिशत गिरकर 23,047.55 अंक पर आ गया।

सेंसेक्स में शामिल शेयरों में टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, लार्सन एंड टूब्रो, रिलायंस इंडस्ट्रीज, मारुति सुजुकी इंडिया, इंडसइंड बैंक, इंफोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एनटीपीसी, टेक महिंद्रा, सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज और अडानी पोर्ट्स शामिल थे। इसके विपरीत एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, नेस्ले इंडिया और हिंदुस्तान यूनिलीवर को लाभ हुआ।

"बाजार में अनिश्चितता का दौर जारी है, जो कुछ समय तक जारी रहने की संभावना है। ट्रंप ने व्यापार युद्ध छेड़ दिया है और चीन, यूरोपीय संघ और अन्य देशों की ओर से जवाबी टैरिफ लगाए जाने की संभावना है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया, "इससे बाजार में अनिश्चितता और भ्रम की स्थिति और बढ़ेगी।"

ट्रम्प ने भारत से आयात पर 27 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, जो कई एशियाई समकक्षों पर लगाए गए टैरिफ से कम है, जिनमें थाईलैंड पर 36 प्रतिशत और इंडोनेशिया पर 32 प्रतिशत टैरिफ शामिल है। शुक्रवार को एशियाई बाजारों में भी गिरावट देखी गई, क्योंकि वॉल स्ट्रीट में कोविड-19 के प्रभाव के बाद से अभूतपूर्व स्तर का झटका लगा।

टोक्यो का निक्केई 225 2.6% गिरकर 33,818.18 पर आ गया, और कोरिया का कोस्पी 0.8% गिरकर 2,467.14 पर आ गया, क्योंकि दोनों देशों ने ट्रम्प प्रशासन के साथ कम टैरिफ पर बातचीत की। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 1.9% गिरकर 7,713.60 पर आ गया। एसएंडपी 500 गुरुवार को 4.8% गिरकर 5,396.52 पर आ गया, जो एशिया और यूरोप के प्रमुख बाजारों की तुलना में अधिक है, जो 2020 में महामारी के कारण अर्थव्यवस्था के चरम

कान साफ करने के लिए अपनाएं घरेलू नुस्खे

बेकिंग सोडा

इसके लिए आप आधा चम्मच बेकिंग सोडा को 60 मि.ली पानी में मिला लें। फिर इस घोल को ड्रॉपर में डालें। इसके बाद 5-10 इसकी बूंदे कान में डालें। कान को एक घंटे के लिए ऐसे ही छोड़ दें। सिर को आप नीचे की तरफ ही झुका कर रखें। फिर कॉटन के कपड़े से मैल और पानी दोनों साफ कर दें।

बेबी ऑयल

ड्रॉपर में आप बेबी ऑयल डालें। फिर इसकी 3-4 बूंद कान में डालकर कॉटन से कान बंद कर दें। 5 मिनट के बाद कॉटन को निकाल दें। ऐसा आप दिन में दो बार भी कर सकते हैं। ऐसा करने से वैक्स बाहर आ जाता है।

लहसुन

इसके लिए आप लहसुन की 3-4 कलियां लें। फिर गैस पर एक पैन में नारियल तेल गरम करें। फिर इसमें कुटा लहसुन डाल दें। लहसुन के हल्का भूरा होने के बाद गैस बंद कर दें। इसके बाद तेल के गुनगुना होने पर इसकी कुछ बूंद कान में डालें और कॉटन से कान बंद कर दें।

बादाम तेल

कान साफ करने के लिए बादाम तेल अच्छा माना जाता है। इसके लिए आप बादाम तेल गुनगुना करें। फिर ड्रॉपर में तेल डालें और इसकी 3-4 बूंद का में डाल दें। कुछ देर बाद वैक्स नरम होकर बाहर निकल आएगा।

कहीं ये फैशन आपको बीमार तो नहीं बना रहा?

ऐसी हिदायतें दी जाती रही हैं कि फैशनेबल पहनावा आपके उठने-बैठने और चलने पर असर डालने के साथ-साथ पीठ और गर्दन में दर्द का कारण बन सकता है। ब्रिटिश काइरोप्रैक्टिक एसोसिएशन (बीसीए) के अनुसार, बेहद टाइट यानी स्किनी जींस, हाई हील्स और हैंड बैग हमारे शरीर को नुकसान पहुंचा सकते हैं। हालांकि चार्टर्ड सोसाइटी ऑफ फिजियोथेरेपी और अन्य विशेषज्ञों द्वारा इस आशंका को खारिज भी किया जाता रहा है। यहां उन पांच पहनावों के बारे में बात हो रही है, जो बीसीए के अनुसार हमें नुकसान पहुंचा सकते हैं।

स्किनी जींस :

बीसीए का दावा है कि स्किनी जींस हमारी कार्यशीलता को कम कर देती है। इसके अनुसार, 'ऐसे पहनावे आपके जोड़ों पर दबाव पैदा करते हैं और इससे छलांग लगाने की क्षमता और चहलकदमी के दौरान झटके सहन करने की प्राकृतिक शक्ति कम हो सकती है।'

बड़े बैग :

बीसीए का दावा है कि भारी बैग, महिलाओं में पीठ के दर्द का सबसे मुख्य कारण है। इसके अनुसार, हमें कोहनी में फंसा कर बैग लेकर चलने से बचना चाहिए क्योंकि इसके भार से उस कंधे पर अधिक जोर पड़ता है और वो दूसरे की तुलना में झुक जाता है।

बड़े हुड वाले कोट :

बीसीए का दावा है कि सिर पर बड़े आकार के फर वाले गरम कोट पहनने से बचना चाहिए क्योंकि आस-पास देखने के दौरान इससे गर्दन पर जोर पड़ता है।

हाई हील्स :

बीसीए का दावा है कि हाई हील्स हमें शरीर को एक खास स्थिति में रखने को मजबूर करता है जिससे रीढ़ की हड्डी में तनाव पैदा होता है।

बैकलेस जूते :

बीसीए का दावा है कि ऐसी चप्पलें जिनके पीछे का हिस्सा खुला होता है यानी एड़ी की ओर सपोर्ट नहीं होता है, उनसे पैरों और गर्दन के नीचे तनाव पैदा होता है। बीसीए की हिदायत है कि जरूरत से ज्यादा बड़ी बांह, भारी भरकम ज्वैलरी और टेढ़े-मेढ़े किनारे वाले वस्त्र भी पहनने वालों के लिए समस्या पैदा कर सकते हैं।

क्या आप गुड़हल फूल की चाय के बारे में जानते हैं?

आजतक आपने कई तरह के फ्लेवर की चाय पी होगी, लेकिन चाय की दुनिया में बीमारियों से लड़ने वाली गुड़हल फूल की चाय को शायद ही कभी ट्राय की होगी. लाल रंग के उस फूल को हम अक्सर पूजा-पाठ और घर की सजावट के लिए इस्तेमाल करते हैं, लेकिन आप इसे अपनी डायट का भी हिस्सा बना सकते हैं, क्योंकि यह चाय आपकी सेहत के लिए बहुत फ़ायदेमंद है.

इस चाय के कई फ़ायदे हैं

गुड़हल फूल की चाय यानी हिबिस्कस टी में कैलोरी प्राकृतिक रूप से कम होती है और यह पूरी तरह से कैफीन मुक्त है. गुड़हल के फूल में कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, पोटैशियम, सोडियम और ज़िंक सहित कई और मिनरल्स के साथ विटामिन्स और फ़ाइबर पाए जाते हैं, जो ब्लड प्रेशर, मानसिक तनाव, कोलेस्टेरॉल संतुलित करने और कैंसर, लिवर की बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं.

ब्लडप्रेशर संतुलित रखने में मदद

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन की एक रिपोर्ट की मानें तो, इस चाय के सेवन से हाई और लो, दोनों तरह के ब्लडप्रेशर को कंट्रोल करने और संतुलित रखने में मदद मिलती है. जरनल ऑफ़ एथनोफार्माकोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार गुड़हल में ऐंटी-हाइपरटेंसिव और कॉर्डियोप्रोटेक्टिव गुण होते हैं, जो हाई ब्लड प्रेशर, हाइपरटेंशन और हृदय संबंधित बीमारियों से परेशान मरीजों के लिए फ़ायदेमंद सबित होता है.

वज़न कम करने में सहायक

गुड़हल की चाय वज़न कम करने में काफ़ी मददगार साबित होती है. गुड़हल में भरपूर मात्रा में ऐंटी-ऑक्सिडेंट्स पाए जाते हैं, जो मेटाबॉलिज्म बढ़ाने का काम करता है. इसके साथ ही इसमें फ़ाइबर की मात्रा भी पाई जाती है, जो पाचन क्रिया को ठीक रखकर वज़न कम करने में मदद करता है.

कम करता है तनाव

विटामिन, मिनरल्स और ऐंटी-ऑक्सिडेंट्स गुणों से भरपूर गुड़हल की चाय तनावमुक्त रखने और मानसिक शांति बनाए रखने में मददगार साबित होती है.

पीरियड के दर्द से राहत

गुड़हल चाय पीरियड के दौरान पेट में होने वाली ऐंठन और दर्द से राहत दिलाती है. इसके साथ ही यह हॉर्मोन्स को संतुलित करने में भी मदद करती है, जिससे मूड स्विंग्स और डिप्रेशन में आराम मिलता है.

प्यास बुझाने का भी काम करती है

गुड़हल फूल की चाय का इस्तेमाल स्पोर्ट्स ड्रिंक के रूप किया जाता है. खेल के दौरान इसे कोल्ड टी के रूप में सर्व किया जाता है. इस चाय को लोग अपनी डायट में इसलिए शामिल करते हैं, क्योंकि यह शरीर को बहुत जल्दी ठंडक पहुंचाने में सक्षम है.

कैसे बनाएं गुड़हल की चाय?

गुड़हल की चाय आपकी सेहत के लिए काफ़ी फ़ायदेमंद है, लेकिन इसके लिए काफ़ी ध्यान देने की ज़रूरत है. गुड़हल के सूखे फूल आप किसी भी नज़दीकी स्टोर या ऑनलाइन पोर्टल से ख़रीद सकते हैं, लेकिन अगर यह पूरी तरह से नैचुरल हो, तो ज़्यादा फ़ायदेमंद साबित हो सकती है. चाय बनाते समय इसमें गुड़हल फूल के साथ लौंग, दालचीनी और अदरक भी डाल सकते हैं.

पहली बार क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो सावधान!

क्रेडिट कार्ड होता क्या है? क्या यह डेबिट कार्ड से अलग होता है? ऐसे ही कई सवाल पहली बार क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करनेवालों के मन में आता है. असल में क्रेडिट कार्ड का मतलब होता है, अभी ख़रीदें, बाद में भुगतान करें. जबकि डेबिट कार्ड से आप अपने अकाउंट में वर्तमान समय में मौजूद पैसों का ही इस्तेमाल कर सकते हैं. क्रेडिट कार्ड आपको 2 से 6 सप्ताह तक बिना ब्याज के कर्ज़ देता है.

➤ क्रेडिट कार्ड्स का इस्तेमाल आकर्षक ऑफ़र्स, कैश बैक्स, स्कीम्स और ईएमआई पर चीज़ें लेने के लिए खासतौर पर किया जाता है. क्रेडिट कार्ड से खरीददारी करने पर आपको कुछ रिवॉर्ड पॉइंट्स भी मिलते हैं, जिनका इस्तेमाल आप आगे चलकर कुछ खरीदते समय इस्तेमाल कर सकते हैं. निरंजन उपाध्ये, जनरल मैनेजर, फ्रॉड रिस्क मैनेजमेंट, वर्ल्डलाइन इंडिया हमें क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करने की शुरुआत करने पर कुछ बातों को समझने और कुछ बातों को ध्यान में रखने की सलाह दे रहे हैं.

➤ कार्ड को कैश की तरह ही इस्तेमाल करें. क्रेडिट कार्ड आपको आज शॉपिंग कर कल भुगतान करने का विकल्प देता है, जिससे बहुत मुमकिन है कि आप जरूरत से ज़्यादा खर्च कर दें. अपने खर्चों को संयमित रखने के लिए क्रेडिट कार्ड के हर बिल को ध्यान से समझें.

➤ आपको अपने कार्ड की सुरक्षा को लेकर हमेशा ही सतर्क रहना चाहिए. किसी और को अपना कार्ड कभी न दें. कार्ड से जुड़ी कोई भी जानकारी कभी भी फोन या इंटरनेट के माध्यम से शेयर न करें.

➤ कार्ड नंबर और कस्टमर केयर का नंबर हमेशा फ़ोन में सेव रखें. ताकि किसी भी गड़बड़ी का पता लगते ही, आप तुरंत ही संबंधित अथॉरिटी को सूचित कर सकें और कार्ड ब्लॉक करवा सकें.

➤ अपने डेबिट, क्रेडिट, इत्यादि कार्ड्स का पिन एक जैसा न रखें. हर कार्ड के लिए अलग-अलग पिन रखें. इसके अलावा आसानी से गेस कर सकने योग्य पिन नंबर न रखें. बर्थडे, एनवर्सरी, कार का नंबर प्लेट इत्यादि को अपना पिन नंबर भूलकर भी न बनाएं.

➤ जब भी कार्ड इस्तेमाल कर रहे हों, ध्यान रखें कि आपका पिन कोई देख न रहा हो. पिन एंटर करते वक़्त हमेशा अपने एक हाथ से नंबर पैड को ढके रखें.

➤ यदि आपको लगता है कि कोई आपके पिन को देख रहा है या फिर किसी तरह की गड़बड़ी का एहसास हो, तो तुरंत पिन बदल लें.

➤ हर महीने मेल पर या घर पर आनेवाले स्टेटमेंट्स को ध्यान से पढ़ें. यदि आपको लगे कि कोई ट्रैन्जैक्शन आपने नहीं किया है, तो तुरंत अपने बैंक से संपर्क कर उन्हें इसकी जानकारी दें. छोटे-मोटे चार्जेस को भी समझें और अपने बैंक से जानें कि इसे क्यों काटा गया है. फिर भले ही बात कुछ रुपयों की ही क्यों न हो.

तो सात दिन में बढ़ जाएगी आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता...

रोग प्रतिरोधक क्षमता हमें कई बीमारियों से सुरक्षित रखती है. छोटी-मोटी ऐसी कई बीमारियां होती हैं जिनसे हमारा शरीर खुद ही निपट लेता है. रोग प्रतिरोधक क्षमता के कमजोर होने पर बीमारियों का असर जल्दी होता है. ऐसे में शरीर कमजोर हो जाता है और हम जल्दी-जल्दी बीमार पड़ने लगते हैं. हमारा इम्यून सिस्टम हमें कई तरह की बीमारियों से सुरक्षति रखता है. रोग प्रतिरोधक क्षमता कई तरह के बैक्टीरियल संक्रमण, फंगस संक्रमण से सुरक्षा प्रदान करता है. इन बातों से यह तो स्पष्ट हो जाता है कि इम्यून पावर के कमजोर होने पर बीमार होने की आशंका बढ़ जाती है.

▸▸ ग्रीन टी और ब्लैक टी, दोनों ही इम्यून सिस्टम के लिए फायदेमंद होती हैं लेकिन एक दिन में इनके एक से दो कप ही पिएं. ज्यादा मात्रा में इसके सेवन से नुकसान हो सकते है।

▸▸ कच्चा लहसुन खाना भी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बूस्ट करने में सहायक होता है. इसमें पर्याप्त मात्रा में एलिसिन, जिंक, सल्फर, सेलेनियम और विटामिन ए व ई पाएं जाते है।

▸▸ दही के सेवन से भी इम्यून पावर बढ़ती है. इसके साथ ही यह पाचन तंत्र को भी बेहतर रखने में मददगार होती है.

▸▸ ओट्स में पर्याप्त मात्रा में फाइबर्स पाए जाते हैं. साथ ही इसमें एंटी-माइक्राबियल गुण भी होता है. हर रोज ओट्स का सेवन करने से इम्यून सिस्टम मजबूत बनता है।

▸▸ विटामिन डी हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है. इससे कई रोगों से लड़ने की ताकत मिलती है. साथ ही हड्डियों को मजबूत बनाए रखने के लिए और दिल संबंधी बीमारियों को दूर रखने के लिए भी विटामिन डी लेना बहुत जरूरी है।

▸▸ संक्रामक रोगों से सुरक्षा के लिए विटामिन सी का सेवन करना बहुत फायदेमंद होता है. नींबू और आंवले में पर्याप्त मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को दुरुस्त रखने में मददगार होता है.

बेडरूम सजाने के टिप्स

दिनभर की भागदौड़ के बाद एक अच्छा और सजा हुआ बेडरूम आपकी थकान को अनायास ही कम कर देता है. ऐसे में बेडरूम को सही तरीके से सजाना बहुत जरुरी है. मुंबई जैसे शहर में बड़ा घर खरीदना एक सपना होता है. घर चाहे बड़ा हो या छोटा उसे सही तरीके से सजाना बहुत आवश्यक है, क्योंकि खुद से सजाया गया बेडरूम एक अलग एहसास करवाता है. इतना ही नहीं अगर आपने एक नया घर लिया है और आपको समझ नहीं आ रहा है कि बेडरूम को कैसे सजाएं, तो ये जानकारी आपके लिए कारगर सिद्ध होगी.

➤ बेड को बेडरूम में सही तरह से सजाना एक कला है, इसके लिए सही आकार के बेड को चुने, जो कमरे में रखने के बाद थोड़ी जगह बचे.

➤ किसी भी सामान को बाहर न रखना पड़े इसके लिए बेड में बौक्स का प्रोविजन रखें.

➤ दीवारों के रंग के आधार पर बेड लें, क्योंकि इससे कमरा साफ सुथरा और आराम दायक लगेगा, अपनी पसंद के आकार का बेड खरीदने के लिए आप औनलाइन का सहारा ले सकती हैं.

➤ आरामदायक गद्दे का चयन बेड के लिए करें, जो न तो अधिक मुलायम हो और न ही अधिक सख्त, ताकि आपके पीठ को आराम मिले और सुकून की नींद आयें.

➤ बेड को सजाने के लिए डेकोरेटिव तकिये, अच्छी क्वालिटी के चद्दर, चिक और शम्स का प्रयोग करें, तकिये का आकार भी बेड के अनुसार चुनें, आजकल तकिये अलग-अलग आकार के मिलते हैं, अपनी पसंद के अनुसार दो या तीन आकार के चुनें.

➤ बेड के चद्दर हमेशा हल्के रंग के दीवारों से मेल खाते हुए लें, अगर आपका कमरा छोटा है, तो बड़े प्रिंट और गहरे रंग वाले चद्दर कभी न लें, थोड़ी सी कढ़ाई या मोटिफ्स इसे आकर्षक बनाती है.

➤ पांव के नीचे चद्दर से मेल खाते हुए ब्लैंकेट रखे, जो आपके बेड को अलग तरह की खूबसूरती प्रदान करते हैं, ये बाजार में अलग-अलग फेब्रिक्स में मिलते हैं, इसके अलावा नींद से उठने के बाद बेड को कवर करने के लिए बेड स्प्रेड अवश्य रखें.

➤ बेडरूम में बेड ही पूरी जगह को घेर लेता है, ऐसे में आस-पास के बचे हुए स्थान में साइड टेबल, थोड़ी सी हल्की फर्नीचर रख सकती हैं, जिसपर बैठकर आप किताब पढ़ कर मूड को फ्रेश कर सकती हैं, इसके अलावा साइड टेबल पर कुछ डेकोरेटिव आइटम या फ्लावर पौट रखकर उसकी शोभा और बढ़ा सकती हैं.

➤ लाइट का सही प्रयोग बेडरूम में करना बहुत जरुरी है, अधिक भड़कीली लाइट का प्रयोग बेडरूम में कभी न करें, येलो लाइट या डिम लाइट का प्रयोग बेडरूम में सही रहता है, मध्यम रौशनी में बेडरूम रोमांटिक हो जाता है.

➤ अधिक सामानों से बेडरूम को कभी भरे नहीं, बल्कि कम से कम सामान रखकर बेडरूम को हमेशा साफ सुथरा रखें. इसके अलावा बेडरूम की सजावट में मौसम भी मुख्य भूमिका निभाता है. गर्मियों में सौ प्रतिशत सूती, लिनेन, टेंसल फेब्रिक के चद्दर का प्रयोग करें, ये चद्दर धोने और बिछाने के लिए काफी अच्छे होते हैं. मानसून में नमी युक्त मौसम होने की वजह से ऐसी चद्दर की जरुरत पड़ती है जो जल्दी सूख जाये, ऐसे में कौटन और पौलिएस्टर मिश्रित चद्दर लेना फायदेमंद होता है. जाड़े में जब पारा नीचे गिरता है, तब गर्म और आरामदायक बिस्तर सबको आकर्षित करता है. फलालैन के चद्दर इस मौसम में काफी गर्मी प्रदान करते हैं जो एक अच्छी और सुकून की नींद देते हैं.

खोई हुई चमक योग से प्राप्त करें!

शरीर के तरल पदार्थों में असंतुलन, रक्त संचार, व्यायाम न करना और तनाव जैसे विभिन्न कारणों से भी त्वचा संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इसके असंख्य स्वास्थ्य लाभों के अलावा, योग त्वचा को सुंदर बनाने में भी मदद करता है। रोजाना योगाभ्यास करना फायदेमंद होता है और पसीना, सांस-कसरत के माध्यम से आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को खत्म करने में मदद करता है।

चेहरे के रक्त के प्रवाह को बढ़ाएं

आगे की ओर झुकें और हाथों को मुक्त छोड़ दें। ये पोज़ रक्त को आपके सिर तक पहुँचाने में मदद करते हैं, उम्र बढ़ने के प्रभाव को उलट देते हैं, और आपकी कोशिकाओं को ऑक्सीजन का कायाकल्प बढ़ावा देते हैं।

झुर्रियों को खत्म करें

योग आपकी त्वचा को भी हल्का और चिकना बनाता है, जैसा कि आप माथे की मांसपेशियों और अपनी आँखों के आसपास काम करते हैं जो आपके प्रदर्शन पर प्रभाव को मिटाने में मदद करता है। जब आप लयों, वी, और मुस्कुराते चेहरों की तरह चेहरे के योग का अभ्यास करते हैं, तो यह परिसंचरण, आराम की मांसपेशियों और तनाव को कम करके आपके माथे की झुर्रियों को कम करने में मदद करता है।

दमकती त्वचा

मारीचसाना, धनुरासन, और हलासन जैसे अधोमुखी मुद्राएं मंदता को कम करती हैं और मुँहासे को साफ करती हैं, जो उस अद्भुत युवा दिखने वाली चमक को फैलाती हैं और आपके रंग में काफी सुधार करती हैं।

चेहरे की चर्बी कम करें

एक समय में, आप अपने गाल और चेहरे की चर्बी को कम करना पसंद करेंगे। गाल, होंठ और जबड़े के लिए योग मुद्रा आपकी त्वचा को कसने और चेहरे की चर्बी को कम करने में आपकी मदद कर सकती है। गाल वर्कआउट सबसे आसान वर्कआउट है जिसे आप अपने चेहरे की मांसपेशियों, गालों और होंठों को टोन और मजबूती देने के लिए कहीं भी कर सकते हैं। उनमें से कुछ वी, मुस्कुराते हुए आदि हैं।

काले घेरे दूर करें

उन काले घेरों को दूर करने का प्राकृतिक तरीका है हस्तपादासन, सम्भवी मुद्रा, और सूर्य नमस्कार।

बालों का बढ़ना

योग सभी प्रकार के बालों और खोपड़ी की समस्याओं के इलाज में भी अत्यधिक सक्षम है। यदि आप बालों के झड़ने की समस्या से पीड़ित हैं, तो आप वास्तविक परिणामों के लिए विभिन्न योग बन सकते हैं।

आज की रेसिपी

टेस्टी अमचूरी करेला

बहुत कम लोगों को करेला पसंद होता है। ऐसे में आज हम आपको करेला की टेस्टी रेसिपी बताएंगे। यह डिश हर किसी को पसंद आएगी। यह खाने में काफी टेस्टी होती है। इसके साथ ही यह बनाने में भी काफी आसान होती है।

सामग्री :

- करेला - 1/2 किलो
- प्याज (बारीक कटा हुआ) - 1
- राई - 1/2 चम्मच
- सौंफ - 1 चम्मच
- हल्दी - 1/2 चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर - 1 चम्मच
- धनिया पाउडर - 1 1/2 चम्मच
- अमचूर पाउडर - 2 बड़े चम्मच
- नमक - स्वादानुसार
- पानी - जरूरत के अनुसार
- तेल - जरूरत के अनुसार

विधि :

▸▸ इसे बनाने के लिए आप सबसे पहले करेले को हल्का-सा छीलकर छोटे टुकोड़ों में काटें।

▸▸ फिर करेले के टुकड़ों को एक बड़े कटोरे में रखें और इसमें 1 बड़ा चम्मच नमक और तीन कप पानी डालकर आधा घंटे के लिए भिगोकर रख दें।

▸▸ अब करेले को पानी से निकालें और निचोड़कर अलग बर्तन में रखें।

▸▸ इसके बाद मीडियम आंच पर एक पैन में तेल गर्म करके इसमें सौंफ और राई डालकर तड़काएं।

▸▸ फिर अब इसमें प्याज को अच्छे से फ्राई कर लें।

▸▸ इसके बाद इसमें हल्दी, लाल मिर्च पाउडर और धनिया पाउडर का पेस्ट तैयार कर लें।

▸▸ फिर अब मसाले में करेले और नमक डालकर 10-15 मिनट के लिए ढक दें।

▸▸ तय समय के बाद करेले में अमचूर पाउडर डालें और इसे अच्छे से मिलाएं।

जनता की समस्याओं का समाधान हमारी सांझा जिम्मेदारी: विधायक योगेन्द्र राणा

असंध में ट्रिपल इंजन की सरकार तेज गति से करेगी विकास कार्य: विजय गर्ग

संजना भारती संवाददाता

असन्ध। असंध विधायक योगेंद्र राणा की अध्यक्षता में नगर पालिका असंध में विकास एवं जनकल्याण को लेकर हुई महत्वपूर्ण बैठक हुई जिसकी अध्यक्षता असंध विधायक योगेंद्र राणा ने की।

इस बैठक में नगरपालिका की नव-निर्वाचित चेयरपर्सन सुनीता अरड़ाना एवं नगर पालिका के सभी अधिकारीगण, कर्मचारी एवं पार्षदगण उपस्थित रहे। बैठक में असंध क्षेत्र के विकास, स्वच्छता, सड़कों की मरम्मत, स्ट्रीट लाइट्स, शहर में बिजली की व्यवस्था, पार्कों की साफ सफाई, सहित जनसुविधाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई।

इस मौके पर विधायक योगेंद्र राणा ने सभी अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से कहा कि हम सबकी साझा जिम्मेदारी है कि जनता की समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें। क्षेत्र का विकास समर्पित एवं एकजुट प्रयासों से ही संभव है। इस अवसर पर नगरपालिका वाईस चेयरमैन राजेंद्र ढींगड़ा, पार्षद सिमांत शर्मा, मेजर सिंह, पार्षद प्रतिनिधि विजय गर्ग, नरेंद्र छीन्ना सहित अन्य पार्षद मौजूद रहे। पार्षद प्रतिनिधि विजय गर्ग ने कहा कि ट्रिपल इंजन की सरकार असंध में तेज गति से विकास कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि विधायक योगेंद्र राणा के नेतृत्व में हल्के में विकास कार्य तेज गति से होगें।

सरकारी खरीद एजेंसियों ने अब तक 3285 मीट्रिक टन सरसों की खरीद

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि अनाज मंडी घरौंडा, असंध व इंद्री में सरसों की निरंतर खरीद की जा रही है। उपायुक्त ने किसानों एवं आढ़तियों की समस्याओं से सम्बंधित अधिकारियों को समाधान के सम्बन्ध में निर्देश दिए हैं कि मंडी में फसल बिक्री में कोई समस्या आड़े नहीं आने दें। उन्होंने किसानों से सरसों सुखाकर मंडी में लाने की अपील की ताकि किसानों को अपनी फसल बेचने में कोई परेशानी न हो। मंडी में बिजली और पानी सहित सभी व्यवस्था बेहतर हों। आढ़तियों को बारदाने को लेकर सम्बंधित समस्या का अधिकारी उचित प्रबंध करें। खरीद कार्य के साथ-साथ उठान का कार्य भी सुचारू रूप से रहे। ताकि मंडी में खरीद कार्य निर्बाध रूप से चलता रहे।

डीएफएससी अनिल कुमार ने बताया कि गत दिवस तक सरकारी खरीद एजेंसी हैफेड व हरियाणा वेयर हाउसिंग द्वारा 3285 मीट्रिक टन सरसों की खरीद की गई। उन्होंने आगे बताया कि सरकार द्वारा सरसों का 5950 रुपए प्रति क्विंटल सरकारी रेट निर्धारित किया गया है। कोई भी किसान मंडी में आकर अपनी फसल टोकन कटवाकर बेच सकता है। उन्होंने बताया कि गत दिवस तक घरौंडा अनाज मंडी में 2118 मीट्रिक टन सरसों की खरीद हरियाणा वेयर हाउसिंग द्वारा की गई। इसी प्रकार इंद्री अनाज मंडी में 697 मीट्रिक टन सरसों तथा असंध अनाज मंडी में 470 मीट्रिक टन सरसों की खरीद हैफेड द्वारा की गई।

सांसद नवीन जिन्दल की ओर से कलायत विधानसभा में नवीन संकल्प शिविर आयोजित किया गया

संकल्प शिविर का उद्देश्य है: सबका साथ-सबका विकास: कर्मबीर सिसोदिया

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल/कलायत। समाजसेवी सांसद कुरुक्षेत्र नवीन जिन्दल की ओर से कुरूक्षेत्र संसदीय क्षेत्र में नवीन संकल्प शिविरों का लगातार सफल आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में पात्र नागरिकों की सरकारी कागजातो की खामियां दूर कर, सरकारी योजनाओं का लाभ देने का सहरानिय काम लगातार किया जाता रहा है।

कार्यालय प्रभारी शंकर गोयल ने क्या बताया: कार्यालय प्रभारी शंकर गोयल ने बताया कि इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य कुरूक्षेत्र संसदीय क्षेत्र के पात्र, अधिक से अधिक नागरिकों को लाभान्वित करना है। ये संकल्प शिविर नियमित रूप से कुरूक्षेत्र संसदीय क्षेत्र में लगातार आयोजित किये जा रहे हैं।

इस कड़ी में "नवीन जिन्दल फाउंडेशन" द्वारा 4 अप्रैल, शुक्रवार को कलायत विधानसभा के गांव किठाना के राम मंदिर (गाला पट्टी) में सुबह 10 से 1 बजे तक व चहल पट्टी के चौतरा हाल में 2 से 4 बजे तक नवीन संकल्प शिविर का सफल आयोजन किया गया। कैंप का शुभारंभ नरेश ढांडा किठाना व सरपंच सुनील चहल ने किया।

नरेश ढांडा किठाना ने क्या कहा: नरेश ढांडा किठाना ने बताया कि आज के नवीन संकल्प शिविर में 57 लोगों को कागजात और नवीन जिन्दल यशस्वी छात्रवृत्ति योजना संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई। मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से 170 लोगों को निःशुल्क परामर्श और दवाइयां दी गई जबकि 28 लोगों के निःशुल्क टेस्ट किए गए। उन्होंने बताया कि सांसद जिन्दल का प्रयास है कि कुरूक्षेत्र संसदीय क्षेत्र का प्रत्येक व्यक्ति नवीन जिन्दल फाउंडेशन के माध्यम से दी जा रही सुविधाओं का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि समाज सेवी सांसद नवीन जिंदल लगातार जनहित सामाजिक व मानव हित के कार्य करते रहे हैं इस प्रकार के कार्य उनके लिए राजनीतिक कार्य न होकर सामाजिक व मानवीय कार्य होते हैं। इस प्रकार के जनहित के कार्य से उन्हें लगातार बुजुर्गों, माताओं का आशीर्वाद मिलता रहता है।

सिसोदिया ने कहा कि संकल्प शिविर का उद्देश्य, सबका साथ-सबका विकास है। संसदीय क्षेत्र के लोगों की इस प्रकार की बिना किसी लोभ लालच के निरंतर सेवा करने से नवीन जिंदल लगातार मानव हित के कार्य कर रहे हैं।

इस मौके पर नवीन जिंदल जी के ऑफिस से राहुल शर्मा,सुमित गोयत, विपिन कुमार, अनिल ढांडा, दयानन्द, जयदेव, रामपाल, छत्र सिंह, मदन, राजा चहल, सोनू चहल, बीरा चहल, राजकुमार चहल,डॉ बलिंद्र,नितिन, काजल व अन्य मौजूद रहे।

जे.सी.महिला महाविद्यालय में वाणिज्य, प्रबंधन व अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। चानन महिला महाविद्यालय के वाणिज्य, प्रबंधन व अर्थशास्त्र विभाग द्वारा एक भव्य प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य डॉ रेखा शर्मा की देखरेख में किया गया।

इस क्विज प्रतियोगिता में टीम ग्रे ने पहला स्थान प्राप्त किया, जिसमें पलकदीप बी.कॉम प्रथम वर्ष, रेखा बी.कॉम द्वितीय वर्ष, अन्नू एम.कॉम फाइनल और आरती बीबीए द्वितीय वर्ष शामिल थीं। प्रतियोगिता में टीम येलो ने दूसरा स्थान प्राप्त किया, जिसमें साक्षी एम.कॉम फाइनल, महक बी.कॉम द्वितीय वर्ष, नवदीप बी.कॉम प्रथम वर्ष और तानिया बीबीए द्वितीय वर्ष शामिल थीं।वहीं, टीम रेड ने तीसरा स्थान हासिल किया, जिसमें अन्नू बी.कॉम द्वितीय वर्ष, याशिका एम.कॉम प्रथम वर्ष, शिवानी बीबीए द्वितीय वर्ष और किरण बी.कॉम फाइनल वर्ष शामिल थी।

कार्यक्रम में मंच का संचालन अदिति, अनुराधा और स्वर्णजीत कौर द्वारा किया गया।प्रतियोगिता के सफल आयोजन में वाणिज्य, प्रबंधन व अर्थशास्त्र विभाग की शिक्षिकाओं में सुषमा शर्मा, रेखा बंसल, दीप्ति दूआ, मनीषा फोगाट और सपना टूरण ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रतियोगिता के अंत में कॉलेज की प्राचार्या डॉ. रेखा शर्मा ने छात्राओं को प्रोत्साहित किया। और उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए सभी विजेता टीमों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने और उनकी तार्किक क्षमता को विकसित करने में सहायक होती हैं।

इस प्रतियोगिता के आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्राओं की बौद्धिक क्षमता को विकसित करना और उन्हें टीम वर्क के महत्व को समझाना था। सभी प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने ज्ञान एवं समझ का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

उचाना व धौलगढ़ में बेटियों के जन्म पर कुआं पूजन व गोद भराई कर मनाई खुशी

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत लोगों में जागरूकता बढ़ रही है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा की धरती से इस अभियान की शुरूआत की थी। अब लोगों में बेटियों के प्रति सम्मान बढ़ा है। करनाल जिले की बात करें तो लिंगानुपात में काफी सुधार हुआ है। जिला में 1 हजार लड़कों की तुलना में 926 का आंकड़ा पार कर गया है और करनाल जिला प्रदेश का सिरमौर बन गया है।

इस अभियान को आगे बढ़ाने के लिए करनाल नगर निगम वार्ड न. 20 के गांव धौलगढ़, उचाना आंगनवाड़ी क्षेत्र में लड़कियों के जन्म होने पर कुआं पूजन व गोद भराई का कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर नेहा के नेतृत्व में किया गया। कुआं पूजन के दौरान शिल्पी, शीतल, सोनिया, संतोष, बबीता, काजल, ममता, पुष्पा, अनु, प्रीति, कविता, आकंशा, दीपा, मोनिका, प्रियंका, रेनू, लक्ष्मी, मीना व बबली ने बेटियों के जन्म की खुशी मनाई। इस अवसर पर आंगनवाड़ी वर्कर गीता देवी, सरोज, विना शर्मा, मुन्नी देवी, सुनीता शर्मा, राज रानी, रेखा, निशा व मीरा देवी एवं क्षेत्र की महिलाओं ने भाग लिया। इस अवसर पर सुपरवाइजर नेहा ने कहा कि कन्या भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक बुराई को रोकने तथा लिंगानुपात की स्थिति में सुधार लाने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से सरकार द्वारा प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, आपकी बेटी-हमारी बेटी जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं चलाई जा रही हैं और इन योजनाओं का महिलाओं को लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि भ्रूण हत्या को रोकने के लिए पीसीपीएनडीटी अधिनियम के तहत निगरानी रखी जाती है, इसके साथ ही बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के तहत बेटियों और बेटों में भेदभाव न हो, इसको लेकर लगातार जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। डीसी उत्तम सिंह के कुशल मार्गदर्शन और जिला महिला एवं बाल विकास विभाग के टीमवर्क के चलते करनाल जिला इस उपलब्धि को हासिल करने में सफलता हो रहा है। आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है। एक समय था जब महिलाएं घरों में पर्दे के ओट में रहती थी, लेकिन महिलाएं अब किसी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं है, आज महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर काम कर रही हैं। कई क्षेत्र में महिलाएं सफलता का परचम लहरा रही है। वे आज समाज को एक नई दिशा दे रही है। उन्होंने कहा कि महिलाएं त्याग की प्रतिमूर्ति है, समाज के हित के लिए वे निरंतर काम कर रही है और आगे बढ़ रही है। नेहा ने कहा कि महिलाएं हमेशा से हमारे समाज की आधारशिला रही हैं। वे सिर्फ परिवार की देखभाल करने वाली नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के निर्माण की महत्वपूर्ण धुरी भी हैं। हर क्षेत्र में, चाहे वह शिक्षा हो, स्वास्थ्य सेवा हो, विज्ञान हो या खेल, महिलाएं अपनी शक्ति और प्रतिभा से दुनिया को नई दिशा दे रही हैं।

मार्केट यूनियन राजौंद ने मेन बाजार में स्पीड ब्रेकर बनवाने के लिए नपा सचिव को सौंपा मांग पत्र

बाजार का मुआइना कर शीघ्र स्पीड ब्रेकर बनाए जाएंगे: नपा सचिव नरेंद्र शर्मा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। राजौंद बाजार में स्पीड ब्रेकर न होने से दुकानदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आए दिन दो पहिया वाहन चालक तेज गति से रफ ड्राइविंग करते हुए गुजरते हैं। जिससे प्रतिदिन दुर्घटनाएं हो रही है। इसी समस्या से निजात पाने के लिए प्रधान भीम सिंह राणा, उप-प्रधान निर्मल कुमार, कार्यकारिणी सदस्य व दूकानदार सुरेश मित्तल, सतपाल शर्मा, हितैष गुम्बर, दिलबाग ढुल, रामनिवास शर्मा, बृजपाल, राहुल छाबड़ा, अमन, विशाल राणा, लोकेश मित्तल, उमेश वर्मा, नवाब सिंह व अन्य ने एक मांग पत्र नपा सचिव, नगरपालिका राजौंद को सौप कर राजौंद के मेन बाजार वार्ड नौ व ग्यारह में स्पीड ब्रेकर बनवाने की प्रार्थना की है। प्रधान भीम सिंह राणा व अन्य दूकानदारों ने नपा सचिव से लिखित अनुरोध किया है कि राजौंद मेन बाजार की गली से दो पहिया वाहन चालक बहुत तेजी से व रफ ड्राईविंग करते हुए गुजरते हैं। जिससे कई बार दुर्घटना हो चुकी है।

नपा सचिव से प्रार्थना की गई है कि मेन बाजार में चिन्हित स्थानों पर यथाशीघ्र स्पीड ब्रेकर बनवाएं जाए। ताकि होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सके। नपा सचिव नरेंद्र शर्मा ने कहा कि उन्हें एक शिकायत नगर पालिका मार्केट यूनियन की ओर से मिली है उन्होंने कहा कि बहुत जल्द मार्केट का निरीक्षण कर उच्च स्थान पर स्पीड ब्रेकर बनवाए जाएंगे।

मार्किट यूनियन राजौंद ने थाना प्रभारी राजौंद से पटाखे बजाने वाले बाईकरों पर अंकुश लगाने की मांग की

यातायात के नियमों का उलंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी: थाना प्रभारी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। राजौंद नगर में यातायात के नियमों का उलंघन करने वाले वाहन चालकों से आमजन परेशान हैं। मार्केट यूनियन राजौंद के प्रधान भीम सिंह राणा व अन्य पदाधिकारियों ने पुलिस थाना राजौंद में लिखित शिकायत करते हुए राजौंद क्षेत्र में यातायात नियमों का उलंघन करने वाले वाहन चालकों पर अंकुश लगाने की मांग की है।

शिकायत में कहा गया है कि राजौंद के मुख्य मार्गों व मेन बाजार में पटाखे बजाने वाले, साइलेंसर वहीन बाइक वालो, रफ ड्राइविंग करने वालो, बेढंगी वाहन पार्किंग करने वालो, एक जगह पर घंटों वाहन खड़ा करने वालों से आम जनता परेशान हैं। इस से दूकानदारो, राहगीरों को भारी परेशानी व असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

बताया गया कि फोर व्हीलर वाले सब्जी विक्रेता कई-कई घंटे एक स्थान पर, दुकानो के आगे खड़े होकर मार्ग अवरुद्ध करते हैं। कुछ दुकानों के बाहर बे-ढ़गी बाइक कई-कई घंटे खड़ी रहती है।

थाना प्रभारी से निवेदन किया गया है कि राजौंद मेन बाजार व मुख्य सड़कों पर पुलिस के बाइक राइडर के दिन व रात में कई-2 चक्कर लगवाए जाएं। ताकि पुलिस की मुस्तैदी, जागरूकता, उपस्थिति व डर से लापरवाह वाहन चालक यातायात के नियमों का पालन करें व कोई अप्रिय घटना, घटीत न हो। थाना प्रभारी राजौंद की अनुपस्थिति में थाना मुन्शी को लिखित शिकायत सौंपी गई।

इस अवसर पर मार्केट यूनियन राजौंद प्रधान भीम सिंह राणा, उप-प्रधान निर्मल कुमार, युनियन कार्यकारिणी व दूकानदार रामनिवास शर्मा, दिलबाग ढुल, राहुल छाबड़ा, सतपाल शर्मा, सुरेश मित्तल, हितैष गुम्बर, बृजपाल, अमन शर्मा, लोकेश मित्तल, उमेश वर्मा, नवाब सिंह, विशाल राणा, अशोक कुमार, पवन सहित अन्य मौजूद थे। मोबाइल फोन पर थाना प्रभारी राजौंद सब-इंस्पेक्टर राजकुमार से बात की गई तो उन्होंने कहा कि कोर्ट कार्य से बाहर गए हुए हैं। उन्होंने कहा कि मार्केट युनियन राजौंद द्वारा लापरवाह वाहन चालकों के विरुद्ध की गई शिकायत पर नियम अनुसार सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

मेरा पानी मेरी विरासत के अंतर्गत धान के स्थान पर बाजरा, मक्का, दलहन, तिल की खेती से 10 हजार प्रति एकड़ का किसान लें अनुदान: डॉ राजेंद्र सिंह

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असंध। क्षेत्र के गांव शेखुपुरा स्थित ओंकार सिंह फार्म हाउस पर हरियाणा विज्ञान मंच की ओर से प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर 1 अप्रैल से 31 मई तक जारी जागरूकता अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कृषि विज्ञान केंद्र राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान करनाल से डॉ कुलबीर सिंह, डॉ अश्विनी कुमार व बिजेंद्र सिंह मीणा ने भाग लिया। डॉ अश्विनी कुमार ने प्राकृतिक खेती की विस्तृत जानकारी दी। डॉ कुलबीर सिंह ने जल संरक्षण के लिए फसल विविधीकरण को अपनाने की सलाह दी। खंड कृषि अधिकारी असंध बलदेव सिंह ने किसानों को गेहूं कटाई के बाद खाली खेती में मूंग व ढांचा की बिजाई करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि कृषि कल्याण विभाग हरियाणा द्वारा मूंग के बीज पर 75 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। हरियाणा विज्ञान मंच के राज्य कमेटी सदस्य डॉ राजेंद्र सिंह ने क्षेत्र के किसान ओंकार सिंह द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर कार्यक्रम आयोजित करवाने पर आभार व्यक्त करते हुए बताया कि शेखुपुरा निवासी किसान ओंकार सिंह अपने फार्म पर प्राकृतिक विधि से विभिन्न प्रकार की फसलों की खेती कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार किसानों को मेरा पानी मेरी विरासत के अंतर्गत धान के स्थान पर बाजरा, मक्का, दलहन, तिल की खेती करने पर 10 हजार प्रति एकड़ अनुदान दे रही है। देशराज अलावला ने मंच द्वारा किसानों को मधुमक्खी पालन,आधुनिक डेरी पालन व मशरूम पालन पर प्रशिक्षण दिलाया जाता है। खेती किसानी से जुड़े इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का क्षेत्र के किसान ओंकार सिंह सहित अन्य किसानों ने आभार जताया और इस प्रकार के कार्यक्रमों की आवश्यकता जताई। इस अवसर पर जसबीर सिंह जलमाना, गुरदेव सिंह, रघुबीर सिंह, पूर्व सरपंच प्रगट सिंह, सतनाम सिंह, गुरप्रीत सिंह, गुरविंदर सिंह, प्रभजोत सिंह आदि उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में कई नामचीन साहित्यकार लेंगे भाग

एसबी ब्यूरो

बेगूसराय। काव्य हिन्दुस्तान अंतरराष्ट्रीय साहित्य समूह चला दिल्ली गाँधी शांति प्रतिष्ठान भवन की और 27 अप्रैल 2025 को सातवां ऑफलाइन कवि सम्मेलन, पौधा वितरण, सम्मान समारोह एंव पुस्तक विमोचन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। समूह द्वारा भव्य राष्ट्रीय कवि सम्मेलन, सम्मान समारोह, पौधा वितरण, पुस्तक विमोचन किया जाएगा। इसमें आने वाले आमंत्रित साहित्यकार नूतन लाल साहू छत्तीसगढ़, रमेश यादव प्रबंध संपादक यादव दर्पण गोकुलगंज कंदीलपुरा इंदौर मध्य प्रदेश, रमेश चंद्र बाजपेई जिला शिवपुरी मध्य प्रदेश से पधार रहे हैं। संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्षा एवं संस्थापिका रेखा शर्मा 'स्नेहा' ने देश-विदेश से साहित्यकारों का आह्वान किया है।

बढ़ती बेरोजगारी एवं पलायन के विरुद्ध है बिहार बदलाव रैली : डॉ.सोनू शंकर

एसबी ब्यूरो

बेगूसराय। बिहार में बढ़ती बेरोजगारी एवं पलायन की समस्या से ग्रसित बिहार वासियों के लिए पटना के गांधी मैदान में 11 अप्रैल को बिहार बदलाव रैली का आयोजन किया जा रहा है। इसका आयोजन पटना के गांधी मैदान में किया जाएगा।

रैली में बिहार की लचर शिक्षा व्यवस्था, भ्रष्टाचार, आतंक, अपराध आदि महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर बिहार में बदलाव की आवश्यकता को देखते हुए जन सुराज आवाज बुलंद करेगा। इस ऐतिहासिक रैली में बेगूसराय से 30000 लोग भाग लेंगे, यह रैली बिहार को नई दिशा एवं दशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। शुक्रवार को जन सुराज कार्यालय में जन सुराज विचार मंच के जिला अध्यक्ष सुमित कुमार सिंह एवं जन सुराज के तेघड़ा विधानसभा से भावी प्रत्याशी डॉ.सोनू शंकर ने संयुक्त रूप से प्रेस वार्ता आयोजित कर जानकारी दी।

मानवीय भावनाओं के सागर थे चंद्रदेव बाबू: ई. अमित अभिषेक

संजना भारती संवाददाता

दलसिंहसराय। गौतमबुद्ध आइटीआई एवं दलसिंहसराय टेक्निकल आईटीआई के निदेशक ई.अमित अभिषेक ने शनिवार को 75 वर्षीय शिक्षाविद चंद्रदेव झा निकटवर्ती मंसूरचक प्रखंड क्षेत्र के साठा गांव पहुंचकर तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर शोक व्यक्त किया। वहीं स्व.चंद्रदेव झा के तैलचित्र के समक्ष उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण कर ईश्वर से प्रार्थना किए। उनके कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए याद किया। उनके मृदुल स्वभाव एवं हर समय दूसरों की सेवा में तत्पर रहने की प्रवृत्ति ने आज उनकी याद में सबकी आंखें नम कर दिया। ई.अभिषेक ने कहा कि मानवीय भावनाओं के सागर थे चंद्रदेव बाबू साथ ही मिलनसार लोग थे। जिन्होंने गांव समाज के युवा पीढ़ी को हमेशा नेक रस्ते पर चलने का सीख दिया करते थे। मिन्टू ने कहा कि मेरे पूर्व जन्म में कोई बड़ा पुण्य किया था।जो ऐसे महान पिता का पुत्र बना। मौके पर धीरज झा,विरेन्द्र झा,सीताराम शेरपुरी, अजीत कुमार झा, निरज कुमार, सत्यसंध भारद्वाज, ई.मनोहर सिंह, प्रो.पीके झा प्रेम, आदि मौजूद थे।

Anuj Public School

B-4/257, Nehru vihar,

Delhi -110094

Applications are invited for the post of special Educator Eligibility graduate with B.Ed (Special Education) or D.E.D With two year diploma in Special Education.

Contact N: 9354757658